PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 316 ● भिलाई, मंगलवार 30 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### बैरा स्यूल नदी में गिरी अल्टो कार, 4 लोगों की दर्दनाक मौत

**चंबा।** हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक कार गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं। दर्दनाक सड़क हादसा चुराह उपमंडल में हुआ। नकरोड़ हिमगिरि मार्ग पर डैम साइड के नजदीक देर रात एक अल्टो कार अनियंत्रित होकर बैरा स्यूल नदी में गिर गई। इस हादसे में वाहन सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी सुबह लगी। सूचना मिलते ही तीसा पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए गए। तीसा थाना प्रभारी और अग्निशमन की टीम मौके पहुंची। हादसे का शिकार हुए लोगों को रेस्क्यू किया गया। चारों लोग चुराह उपमंडल की ग्राम पंचायत टिकरीगढ़ के बताए जा रहे है। मृतकों की पहचान और वाहन किसका है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। उरेई-सांमरा मार्ग पर सारनी पुल के पास मारुति ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गई। यह कार 300 फीट (लगभग 100 मीटर) गहरी खाई/घटोर नाले में गिर गई। इस हादसे में तीन महिलाएं समेत चार लोग मारे गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया था। इस वजह से हादसा हुआ।

### दिल्ली में राजस्व अधिकारियों मिलेगी कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियां

**नईदिल्ली।** दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और कानून व्यवस्था तंत्र को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के प्रशासनिक पुनर्गठन के बाद प्रमुख राजस्व अधिकारियों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान करने को मंजूरी दे दी है। बता दें कि इस प्रस्ताव को पहले गृह मंत्री और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंजूरी देकर उपराज्यपाल के पास अनुमति के लिए भेजा था। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा-14 के तहत उपायुक्तों/ जिला मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, राजस्व सहायक, तहसीलदार और समेकन अधिकारियों को उनके संबंधित पुनर्गठित क्षेत्राधिकार में कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियां देने की मंजूरी दी गई है।

रामनंदिर चंदा विवाद: वकीलों का अल्टीमेटम

## चंपत राय और अनिल मिश्रा तीन दिन में अयोध्या छोड़ें....

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले ने तूल पकड़ लिया। यूपी सराकर द्वारा गठित एसआईटी की टीम मामले की जांच करते हुए लगातार एक के बाद एक कई खुलासे किए हैं। अब इस केस में अयोध्या बार एसोसिएशन भी कूद पड़ा है। बार एसोसिएशन ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राय को तीन दिनों के अंदर अयोध्या छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। अयोध्या बार एसोसिएशन के लोगों ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ऐसा नहीं होता है तो पूरी अयोध्या को जाम कर दिया जाएगा और किसी को अंदर प्रवेश करने की इजाजत नहीं होगी। गौरतलब है कि अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी विवाद को लेकर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। ऐसे में बार एसोसिएशन की एंट्री ने इस मामले को आग में घी देने का काम किया है। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा मामले के बीच बार एसोसिएशन के सदस्यों की हुई बैठक में एक बड़ा फैसला लिया है। एसोसिएश के सदस्यों ने एक सुर में कहा है कि चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राय को राम नगरी से दूर जाना होगा। अयोध्या बार एसोसिएशन के बैठक में अधिवक्ताओं ने कहा कि ट्रंस्ट से जुड़े इन तीनों लोगों को अयोध्या राम नगरी को छोड़ना होगा। अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि अगर 3 दिन के भीतर वे अयोध्या नहीं छोड़ते हैं तो पूरी अयोध्या को जाम कर दिया जाएगा, किसी को भी अयोध्या आने की



एंट्री नहीं मिलेगी। अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कोई भी वकील अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस नहीं लड़ेगा। अगर कोई भी वकील ऐसा करता है तो उसे पहले बार एसोसिएशन के योगदान फंड में एक प्रति आरोपी 5 लाख रुपये जमा करने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राय के खिलाफमामला दर्ज करने के लिए सीआरपीसी की धारा 173 के तहत कार्रवाई शुरू की जाएगी। अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस घटना के लिए सीबीआई जांच की मांग की जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो अयोध्या अधिवक्ता संघ अपने खर्चे पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। गौरतलब है कि इस समय यह मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी बीच अधिवक्ताओं की ऐंट्री ने इस केस को और दिलचस्प बना दिया है। राम मंदिर में चंदा चोरी की घटना ने अयोध्या के वकीलों को बहुत नाराज़ कर दिया है। अयोध्या बार एसोसिएशन ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को तीन दिन में शहर छोड़ने का अल्टीमेटम दिया है। वकीलों ने कहा है कि यदि आरोपित ऐसा नहीं करते हैं, तो रामनगरी को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा।

### *राम मंदिर के चोरों को नहीं मिलेगा कोई वकील! अयोध्या बार एसोसिएशन का बड़ा ऐलान*

उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले को लेकर जनता में गुस्सा भरा हुआ है। यही गुस्सा और आक्रोश अब वकीलों में भी देखा गया है। एसआईटी ने चढ़ावा चोरी मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों का केस लड़ने के लिए अब कोई वकील सामने नहीं आ रहा है। फैजाबाद एडवोकेट्स एसोसिशन ने आरोपियों को सजा दिलाने के लिए मुहीम छेड़ दी है। वकीलों ने ऐलान कर दिया है कि शहर का कोई भी वकील राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में फंसे आरोपियों का केस नहीं लड़ेगा। साथ ही उन्होंने ऐलान कर दिया है कि अगर किसी ने आरोपियों का केस लड़ा तो उसे गंभीर अंजाम भुगतने होंगे। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी कथित हेराफेरी के मामले को लेकर फैजाबाद एडवोकेट्स एसोसिएशन की आज बैठक हुई।

उच्च अधिकारियों के साथ करेंगे चर्चा

## कैबिनेट फेरबदल की चर्चाओं के बीच पीएम मोदी की बड़ी बैठक..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पिछले कई दिनों से केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा चल रही है। इस बीच मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नें विभागीय सचिवों के साथ एक मीटिंग करने जा रहे हैं। पीएम की सचिव स्तर पर यह दूसरी अहम बैठक है। बैठक में उदारीकरण, नियमों में ढील और सुधारों समेत अन्य मुद्दों पर मंथन होगा, जिससे कि व्यापार करने में आसानी में सुधार की योजना को गति दी जा सके। पीएम मोदी की सेशेल्स यात्रा का आज अंतिम दिन है। आज यानी सोमवार वे दिल्ली पहुंच जाएंगे और कल



यानी मंगलवार को बैठक में शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री की शीर्ष नौकरशाहों के साथ यह दूसरी मीटिंग है। इससे पहले बीते महीने की 21 मई को पीएम ने केंद्रीय सचिवों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के साथ विकसित भारत लक्ष्य के रोडमैप पर संयुक्त बैठक की थी। बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी ने की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को होने वाली मीटिंग में सुधारों और उदारीकरण के अलावा आत्मनिर्भर अभियान पर भी सरकार का फोकस रहेगा। बैठक में जीवन जीने की सुगमता, नियमों में ढील देने और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना का प्रमुख विषय रहेंगे। इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष रूप से चर्चा होगी। जानकारी के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के सामने प्रत्येक सचिव को अपनी प्रजेंटेशन के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा।

### बिहार में व्यवसाई की हत्या के आरोपी को उम्रकैद, कोर्ट ने लगाया 50 हजार जुर्माना

**गया।** बिहार के गया में हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. जिला व अपर सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) संजय कुमार की अदालत ने यह फैसला सुनाया.अदालत ने दोषी मिथिलेश रविदास को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने दोषी पर आजीवन कारावास के साथ ही 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है. यह घटना वर्ष 2024 में घटित हुई बताई जाती है. लेन-देन को लेकर व्यवसाई की हत्या कर दी गई थी जिसके मामले में अदालत का यह फैसला आया है. मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में गुरारू थाना क्षेत्र में हत्या की इस घटना को अंजाम दिया गया था.

आखिर इतनी जल्दबाजी किस बात की है

## सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को तुरंत सुनने की मांग ठुकराया दिया.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुनवाई टाल दी। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और वित्तीय गड़बड़ियों की जांच की मांग करने वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले की सुनवाई तय प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। यह याचिका वकील अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने दायर की थी। इसमें एफआईआर दर्ज करने और सेंट्रल



ब्यूरो ऑफइन्वेस्टिगेशन की देखरेख में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज और वित्तीय गतिविधियों में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं, इसलिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने किसी भी आपराधिक मामले को दर्ज किए बिना जांच शुरू कर दी है, जो प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। उल्लेखनीय है कि 13 जून को कथित चढ़ावे से जुड़ी चोरी के आरोप सामने आने के बाद राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया था। इस एसआईटी ने 23 जून को प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। सुप्रीम कोर्ट में जब यह मामला सुनवाई के लिए आया तो न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं से सवाल किया कि इसमें इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है।

आरएसएस पर टिप्पणी पड़ी भारी

## प्रियांक और नलपाड को कोर्ट का समन..

**नई दिल्ली।** यूथ कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपाड और कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री प्रियांक खरगे को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर टिप्पणी मामले में कोर्ट ने समन जारी किया है। 27 जून को बेंगलुरु की कोर्ट ने समन जारी करते हुए दोनों से 21 जुलाई को उनका जवाब मांगा है। आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी मामले में प्रियांक खरगे के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट द्वारा समन जारी किया गया है। मामले की सुनवाई करते हुए एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट संदीप पाटिल ने भारतीय



न्याय संहिता की धारा 356 के तहत माना कि प्रियांक खरगे और नलपाड के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला बनता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि बीएनएस की धारा 356 के तहत प्रियांक खरगे और मोहम्मद नलपाड के खिलाफ दंडनीय अपराध का संज्ञान लिया गया है।

### दिल्ली के कालकाजी में बालकनी से गिरकर मासूम की मौत, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

**नई दिल्ली।** दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के कालकाजी एक्सटेंशन स्थित आशा किरण अपार्टमेंट में पांच वर्षीय बच्ची की 10वीं मंजिल से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई. घटना के बाद स्थानीय निवासी इमारत की सभी बालकनियों में सुरक्षा जाली (सेफ्टी नेट) लगाने की मांग कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि यदि बालकनियों में सुरक्षा जाली लगी होती तो शायद मासूम की जान बच सकती थी. हादसे के बाद पूरे अपार्टमेंट में शोक का माहौल है और निवासी भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग कर रहे हैं. घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

झारखंड में अंधविश्वास बना मौत का कारण!

## तांत्रिक के कहने पर राख खा रहा था परिवार,दस दिन में पांच की मौत......

**नई दिल्ली।** झारखंड के पलामू जिले से अंधविश्वास की एक बेहद चौंकाने वाली और दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां महज 10 दिनों के भीतर एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि बीमार होने के बावजूद परिवार के लोग अस्पताल में नियमित इलाज कराने के बजाय झाड़-फूंक और तांत्रिक के बताए उपायों पर भरोसा कर रहे थे। कथित तौर पर एक ओझा के कहने पर परिवार के सदस्य राख का सेवन भी कर रहे थे, जिसके बाद उनकी तबीयत लगातार



बिगड़ती चली गई। स्वास्थ्य विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच शुरू कर दी है और राख समेत अन्य नमूनों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। फिलहाल परिवार के तीन अन्य सदस्य रांची के रिम्स में भर्ती हैं। इस घटना ने एक बार फिर अंधविश्वास और वैज्ञानिक उपचार की अनदेखी के खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है। यह मामला पड़वा प्रखंड के सिका गांव का है। जानकारी के अनुसार, परिवार के मुखिया कुलदीप महतो की 19 जून को मौत हुई थी। अगले दिन उनकी बेटी ने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्य इलाज के साथ-साथ लेस्लीगंज के पूर्णाडीह इलाके में झाड़-फूंक कराने जाते रहे। इसी दौरान कथित तौर पर वे राख का भी सेवन करते रहे। इसके बाद 26 जून को कुलदीप महतो की दूसरी बेटी इंदु कुमारी की मौत हो गई। 28 जून को बहू श्वेता कुमारी और 29 जून को बेटे नकुल महतो की भी इलाज के दौरान रांची स्थित रिम्स में मौत हो गई।

भारी बारिश से तबाही

## असम में ताश के पत्तों की तरह बहा 300 मीटर लंबा पुल,अरुणाचल प्रदेश में तीन की मौत.....

**नई दिल्ली।** पूर्वोत्तर भारत के राज्यों, विशेष रूप से असम और अरुणाचल प्रदेश में मानसून की विनाशकारी बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मूसलाधार बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं, जिससे न केवल बस्तियां जलमग्न हो गई हैं, बल्कि क्षेत्र का इंफ्रास्ट्रक्चर भी ढहने लगा है। असम में बाढ़ के कारण एक विशाल लोहे का पुल बह जाने और रेलवे पुल के क्षतिग्रस्त होने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। भारी बारिश और नदियों के तेज कटाव ने असम के धेमाजी जिले में गंभीर संकट पैदा कर दिया है। यहां सिमेन नदी पर बना एक रेलवे पुल कटाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अनुसार, धेमाजी और आसपास के इलाकों में 110 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है, जिससे सिमेन नदी के पानी ने रेलवे पुल के एक खंभे को अस्थिर कर दिया है। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे अधिकारियों ने अर्चिपथर और सिमेन चापारी स्टेशनों के बीच ट्रेनों का संचालन तत्काल प्रभाव से



निलंबित कर दिया है। तिनसुकिया डिवीजन के तहत मुरकोंगसेलेक और सिलापाथर के बीच चलने वाली ट्रेनें अगली सूचना तक बंद रहेंगी, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल इस मार्ग की ट्रेनें सिलपाथर स्टेशन पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। असम के धेमाजी जिले से ही एक और दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है, जहां केमी नदी में आई अचानक बाढ़ के कारण केमी और ओयान को जोड़ने वाला 300 मीटर लंबा लोहे का पुल पानी के तेज बहाव में समा गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, दोपहर के समय नदी का जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि देखते ही देखते पूरा ढांचा बह गया। इस पुल के टूटने से केमी-पुराना जेलोम और जोनाई सदर के बीच का संपर्क पूरी तरह कट गया है। इस आपदा ने बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि जो 300 मीटर लंबा पुल बहा है, उसका निर्माण महज एक वर्ष पहले ही किया गया था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने शुरुआत में ही लोहे के अस्थाई ढांचे का विरोध किया था और कंक्रीट के स्थाई पुल की मांग की थी।

विधायक के खिलाफलगे मुर्दाबाद के नारे

## अखिलेश के कार्यक्रम में सपा का ही बगावत

**नई दिल्ली।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रयागराज दौरे के दौरान पार्टी के भीतर का असंतोष खुलकर सामने आ गया। कार्यक्रम स्थल के बाहर मेजा विधानसभा क्षेत्र से पहुंचे कुछ कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाए, वहीं मेजा विधायक संदीप पटेल के खिलाफ जमकर मुर्दाबाद के नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने विधायक पर क्षेत्र की उपेक्षा और वित्तीय अनियमितताओं समेत कई गंभीर आरोप लगाए तथा अपनी शिकायत सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंचाने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने खुद को मेजा



विधानसभा क्षेत्र का निवासी और समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता बताया। उनका कहना था कि क्षेत्र में विधायक के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी दोबारा संदीप पटेल को टिकट देती है।

CMYK

# युवान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने सीखा जल एवं मृदा संरक्षण का महत्व

**बलौदाबाजार।** मृदा एवं जल संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत वर्षा ऋतु में प्राकृतिक वन पुनर्जनन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय जनसमुदाय एवं युवाओं को जैव विविधता संरक्षण से जोड़ने के उद्देश्य से बलौदाबाजार वनमण्डल के विभिन्न वन परिक्षेत्रों में सीड बॉल रोपण, बीज रोपण एवं पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में युवान कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को विभिन्न वन परिक्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए वन भ्रमण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत प्रत्येक वन परिक्षेत्र में ऐसे नालों एवं क्षेत्रों का चयन किया जा रहा है, जहाँ स्थानीय प्रजातियों के बीजों के माध्यम से सीड बॉल रोपण एवं बीज रोपण कर प्राकृतिक पुनर्जनन को बढ़ावा दिया जा सके। साथ ही मिट्टी कटाव वाले क्षेत्रों में स्थानीय घास एवं अन्य उपयुक्त प्रजातियों के रोपण के माध्यम से मृदा एवं जल संरक्षण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन गतिविधियों से युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को युवान कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। बारनवापारा वन परिक्षेत्र के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा 'ब', देवपुर वन परिक्षेत्र के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चंहाट, सोनाखान वन परिक्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला उपरानी, महकम स्कूल एवं शासकीय हायर सेकेंडरी शाला हटौद, बलौदाबाजार वन परिक्षेत्र के शासकीय हाई स्कूल पंडरिया तथा कोठारी वन परिक्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला कोठारी में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में लगभग 350 से 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वन भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को वन एवं वन्यजीवों का महत्व, जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, जल एवं मृदा संरक्षण तथा मानव जीवन में वनों की उपयोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके छोटे-छोटे प्रयास भी प्रकृति संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्थानीय फलदार एवं उपयोगी प्रजातियों के सीड बॉल रोपण की जानकारी दी गई तथा उनके महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही औषधीय एवं उपयोगी पौधों की पहचान, उनके उपयोग तथा प्राकृतिक वन पुनर्जनन की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी साझा की गई। विद्यार्थियों को मृदा कटाव के कारणों एवं उसके रोकथाम के उपायों की जानकारी देते हुए बताया गया कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं स्थानीय प्रजातियों का संरक्षण जल एवं मृदा संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सीड बॉल वितरित कर उनके रोपण की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। सभी विद्यार्थियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। वनमण्डल में लगातार आयोजित हो रहे इस युवान कार्यक्रमों को लेकर वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि युवान कार्यक्रम का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को प्रकृति से परिचित कराना नहीं, बल्कि उन्हें जल, मृदा एवं जैव विविधता संरक्षण की व्यावहारिक गतिविधियों से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही भविष्य के प्रकृति संरक्षक हैं और उनकी सक्रिय सहभागिता से वन संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

# ओमेश यादव ने विद्यार्थियों को वितरित की शैक्षणिक सामग्री, मेधावियों का किया सम्मान

**धमतरी।** शिक्षा को बढ़ावा देने एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से शासकीय प्राथमिक शाला खरतुली में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ओमेश यादव द्वारा प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को कॉपी, पेन एवं कंपास बॉक्स का वितरण किया गया। वहीं गांव के मेधावी छात्र.छात्राओं, जिन्होंने इस वर्ष कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रवेश लिया है, उन्हें पूरे शैक्षणिक सत्र के सभी विषयों का कॉपी सेट प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में चयनित छात्र हर्ष ध्रुव पिता नरेन्द्र ध्रुव का भी सम्मान किया गया। अतिथियों ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे गांव एवं विद्यालय के लिए गौरव का विषय बताया। अपने उद्बोधन में जिला महामंत्री ओमेश यादव ने कहा कि शासकीय प्राथमिक शाला खरतुली में प्रधान पाठक दीनबंधु सिन्हा के नेतृत्व में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, नियमित प्रार्थना एवं बच्चों को विभिन्न भाषाओं का ज्ञान देने का उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। विद्यालय की बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था और संस्कारयुक्त वातावरण के कारण अब अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे भी यहां प्रवेश ले रहे हैं। विद्यालय की छात्र संख्या लगातार बढ़ रही है, जो विद्यालय परिवार की मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ.साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का विकास ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है तथा खरतुली विद्यालय इस दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आमदी मंडल महामंत्री योगेश सिन्हा, हीरेन्द्र कुमार, मनीष साहू, विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र.छात्राएं एवं पालकगण उपस्थित रहे।

# हर बच्चे की सुरक्षा के लिए पोलियो की दो अमृत बूंद अवश्य पिलाएं-हिमानी भागवत साहू

**धमतरी।** राष्ट्रव्यापी पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत नगर निगम धमतरी के विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग की अध्यक्ष एवं लाल बगीचा वार्ड क्रमांक 03 की पार्षद हिमानी भागवत साहू ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए वार्ड में घर.घर जाकर अभिभावकों को जागरूक किया तथा 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पोलियो की दो अमृत बूंदें प्रत्येक बच्चे के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की मजबूत सुरक्षा कवच हैं। उन्होंने सभी माता.पिता से अपील की कि अपने 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं ताकि हमारा समाज पूर्णतः पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को साकार कर सके।

इस अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दुर्गेश नॉदिनी साहू, नीतू चौरे, सहायिका भारती साहू, वार्ड मितानिन स्वीकृति महिलागे, वर्षा श्रीवास्तव, गीता शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं वार्डवासी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# नीलमणि रात्रे होंगे सरपंच, अविश्वास प्रस्ताव गिरा, समर्थकों व ग्रामीणो में खुशी का माहौल

**सरायपाली।** विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत किसड़ी में सरपंच श्री नीलमणि रात्रे (मुन्ना) के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव असफल हो गया। सरायपाली तहसीलदार श्री पंडा ने बताया कि आवश्यक समर्थन नहीं मिलने के कारण प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, जिसके बाद श्री रात्रे सरपंच पद पर बने रहेंगे। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत के कुछ पंचों द्वारा सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत मतदान कराया गया, लेकिन प्रस्ताव को आवश्यक मत नहीं मिल सके। परिणामस्वरूप अविश्वास प्रस्ताव गिर गया। अविश्वास प्रस्ताव असफल होने के बाद सरपंच समर्थकों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया। समर्थकों का कहना है कि ग्रामीणों ने विकास कार्यों में विश्वास जताते हुए सरपंच के प्रति अपना समर्थन बनाए रखा है। वहीं, सरपंच समर्थकों का आरोप है कि कुछ लोग पंचायत की कार्यप्रणाली में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं तथा राजनीतिक कारणों से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि, इस संबंध में दूसरे पक्ष का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए आपसी सहयोग और समन्वय के साथ कार्य किए जाने की आवश्यकता है, ताकि गांव का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। अविश्वास प्रस्ताव असफल होने के बाद पंचायत में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं तथा क्षेत्र में इस घटनाक्रम को लेकर विभिन्न चर्चाएं जारी हैं।

# वार्डवासियों की मांग हुई पूरी, यात्री प्रतीक्षालय का हुआ लोकार्पण

## विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह लोकार्पण किया

**राजनांदगाँव।** मोहारा वार्ड विकास घोषणा के अंतर्गत विधायक निधि अंतर्गत मोहारा में 5 लाख रूपये की लागत से निर्मित यात्री प्रतिक्षालय का एक गरिमामय आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ रमन सिंह ने फीता काटकर पटटीका का अनावरण कर लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर सांसद संतोष पाण्डे, महापौर मधुसूदन यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष पूर्णिमा साहू की गरिमामय उपस्थिति रहीं।

मोहारा में यात्री प्रतिक्षालय लोकार्पण अवसर पर मोहारा वासियों की भारी उपस्थिति देखकर उन्होंने कहा कि इस छोटे से कार्यक्रम में इतनी अधिक संख्या वार्ड वासियों के उत्साह को दर्शाता है। मोहारा वासियों की सुविधा के लिए विधायक निधि से यात्री प्रतिक्षालय का निर्माण किया गया है। इसी प्रकार वार्डों में विकास कार्य कराये जायेगें। मोहारा पार्षद आलोक श्रोती सहित उपस्थित वार्डवासियों ने मोहारा मेला स्थल से लेकर ऑक्सीजोन तक 49 करोड़ की लागत से बनने वाले सस्पेंशन ब्रिज की घोषणा को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, डॉ रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव का आभार व्यक्त किया. डॉ रमन सिंह जी का निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा सहित मोहारा के पार्षद व शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती, पार्षद शिव वर्मा, संजय रजक, रघुवीर वाघवा, हकीम खान,पदम गोविंद राम निर्मलकर के पुत्र रमेश निर्मलकर, ढाबा सोसाइटी अध्यक्ष कृष्णा देवी श्रोती, परशु राम प्रजापति, राम कुमार देवांगन, मोहन तिवारी, देवकी देवांगन, भुवनेश्वरी सिन्हा, कीर्ति प्रजापति, सुरेश सिंहा, दुबेश प्रजापति, सोहन प्रजापति, ढोलू प्रजापति, लक्की देवांगन सहित उपस्थित समस्त वार्डवासियों ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

# जिला अस्पताल में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

**बलौदाबाजार।** राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 28 जून को जिला अस्पताल, बलौदाबाजार में अभियान का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन एवं योगेश अग्रवाल ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अवस्थी ने बताया कि,भारत 27 मार्च 2014 से पोलियो मुक्त घोषित है और लगातार 12 वर्षों से पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखी गई है। फिर भी पड़ोसी देशों में वाइल्ड पोलियो वायरस के प्रसार को देखते हुए पोलियो मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में जिले के सभी स्वास्थ्य कर्मी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, पर्यवेक्षक और संबंधित विभाग पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को मिलाकर कुल 840 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं तथा इतनी ही टीमों का गठन किया गया है। अभियान में जिले में 1,40,879 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सीएमएचओ ने बताया कि अभियान के प्रथम दिवस सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई है । इसके उपरांत अगले दो दिनों तक मॉप-अप राउंड के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर भ्रमण करेंगी तथा प्रथम दिवस में छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाना सुनिश्चित करेंगी।

डॉ. अवस्थी ने बताया कि अभियान की व्यापक सफलता के लिए जिले में सभी प्रकार के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ मुनादी भी कराई गई है, ताकि कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाकर उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखें।

# महिला जनप्रतिनिधियों ने की पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

**सरायपाली।** तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ 28 जून को स्वर्गीय मोहनलाल चौधरी शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, में महिला जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति एवं सहभागिता में किया गया। इस अवसर पर महिला जनप्रतिनिधियों ने 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान महिला जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की खुराक पिलाएं और पोलियो उन्मूलन के इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि दो बूंद जिंदगी की हर बच्चे के स्वस्थ भविष्य की गारंटी है। इस अवसर छ. ग. राज्य महिला आयोग सदस्य सरला कोसरिया , जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल,जनपद अध्यक्ष लक्ष्मी पटेल व स्वास्थ्य सभापति उषा पटेल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुपमा आनंद , विकासखंड कार्य प्रबंधक शीतल सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी दी कि अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी, ताकि पोलियो को जड़ से समाप्त किया जा सके। अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की कि वे पोलियो मुक्त समाज के निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भागीदारी निभाएं।

# पिटपास दिखाने के नाम पर देर रात भाजपा नेता द्वारा हाईवा वाहन चालकों से अवैध वसूली

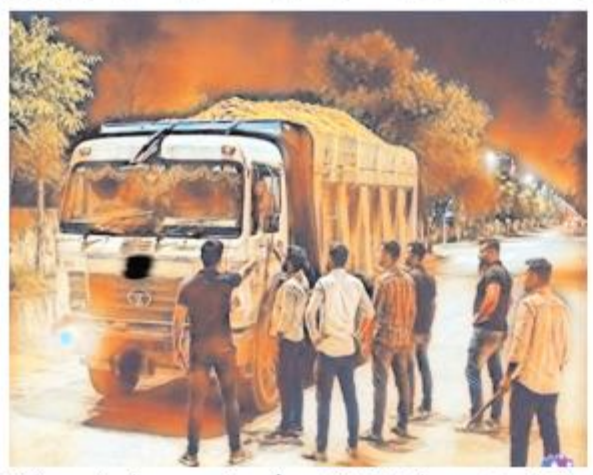

**धमतरी।** भाजपा के सत्ता में आते ही मंत्रियों, नेताओं के साथ फोटो वायरल कर शासकीय कार्य हथियाये जाने की चर्चा तो समूचे जिले में चर्चित है। अब भाजपा नेता कहलाकर तथाकथित लोगों द्वारा न सिर्फ अवैध कार्य किया जा रहा है बल्कि दो-तीन वाहनों में सवार होकर अपने सहयोगियों के साथ रात्रिकालीन नशे में धुत्त होकर रेत से भरी हाईवा को रोककर उनसे पैसा उगाही किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। यह नेता प्रदेश के नामचीन मंत्री को शाष्टांग प्रणाम करते हुए अपने वीडियो को वायरल किया। उसके बाद इसने डेंजर जोन में भारी भरकम शासकीय भूमि पर रिसॉर्ट बनाने का भी दुस्साहस किया है। हालांकि इस मामले की शिकायत होने पर जिला प्रशासन ने उक्त निर्माण कार्य को रूकवा दिया है परंतु इसकी संदिग्ध गतिविधियां आज जिले में पार्टी को हाशिये पर लाने का कार्य कर रही है जिसकी जानकारी स्थानीय नेताओं को भी है। लेकिन वे मन मसोस कर उनकी इन गतिविधियों को नजरअंदाज किये जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक उक्त नेता अपने एक सहयोगी के साथ मिलकर सारंगपुरी ग्राम से घड़ल्ले से रेत निकलवा रहा है, वहीं देर रात रेत लेकर निकलने वाली हाईवा वाहनों को कोलियारी, अमेठी, खरेंगा में रोककर पिटपास दिखाने की मांग कर उक्त तथाकथित नेता एवं उसके गुर्गों द्वारा अवैध वसूली की जा रही है जिसकी क्षेत्र में जबरदस्त चर्चा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लगे ठेकेदारों के समक्ष पहुंचकर उनके कार्यों में तकनीकि त्रुटी बताकर निजी स्वार्थ के लिये धनराशि की वसूली करता है और अपने नशेड़ी साथियों के साथ राजधानी पहुंचकर मंत्रियों, नेताओं को उसके द्वारा आयोजित किये जा रहे कार्यक्रम में आमंत्रित करता है। यह तथाकथित नेता अनेक मंत्रियों के साथ खिंचवाई गई फोटो अधिकारियों के समक्ष वायरल कर अवैध रूप से वसूली करते आ रहा है। इसकी हौसले अब इतने बुलंद हो चुके हैं कि वह बड़े-बड़े अधिकारियों के चेंबर में सीधे प्रवेश कर अपने मुंह मिया मिट्ठु की तर्ज पर उन्हें उक्त फोटो दिखाता है। इसके पीछे उसका मात्र स्वार्थपूर्ति का उद्देश्य होता है। जनहित की दृष्टि से न तो वह कभी पार्टी का काम किया, न ही पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कोई कार्य किया। जब यह पद में था तब भी इसकी वसूली चर्चित रही। इसी वसूली अभियान के चलते रेत ठेकेदार के सुरक्षा कर्मियों ने इसकी खूब खातिर करते हुए अर्द्धनग्न अवस्था तक पिटाई की जिसकी रिपोर्ट भी थाना में की गई थी। इसके बाद पार्टी के आला नेताओं ने इसे दोबारा चुनाव लड़ने का मौका नहीं दिया किंतु इसने अपने कार्यकाल के दौरान जिले के कुछ क्षेत्रों में अपनी दादागिरी स्थापित कर दी है और वसूली अभियान में महारथ हासिल करने के बाद इसे अवैध उगाही का मुंह लग गया और अपने सहयोगियों द्वारा मिलकर यह कार्य निरंतर जारी रखा हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि इस नेता के द्वारा गंगरेल बांध के नीचे डेंजर जोन में रिसॉर्ट का निर्माण करवाया जा रहा है जिसकी शिकायत मिलने पर जिला प्रशासन ने उक्त निर्माण कार्यों को यह कहते हुए बंद करवा दिया है कि पहले भूमि का दस्तावेज दिखाईये। लेकिन अभी तक इस संबंध में उक्त रिसॉर्ट निर्माण से संबंधित कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये जाने का समाचार प्राप्त हुआ है। यह रिसॉर्ट क्षेत्र जल संसाधन विभाग के तत्कालीन अधिकारियों के द्वारा डेंजर जोन घोषित किया गया है। गंगरेल बांध में जब-जब बाढ़ आती है तो उसके सीध में आने वाला यह क्षेत्र भी प्रभावित होता है। लोगों का कहना है कि यदि गंगरेल बांध उफान पर आया और वहां से यदि 1 लाख क्यूसेक पानी महानदी में छोड़ा जाता है तो वह पानी नवनिर्माणाधीन रिसॉर्ट को अपने चपेट में लेगा जिसमें रूकने वाले लोग इसकी चपेट में आ सकते हैं। इतने बड़े शासकीय भूमि में नियम विरूद्ध रिसॉर्ट का निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी था। संबंधित क्षेत्र के लोग इसके अधिकारियों से संबंध होने की वजह से इसका विरोध नहीं कर पा रहे थे। लेकिन जब जिला प्रशासन को इसकी शिकायत मिली तो उसने इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए उक्त निर्माण कार्य को रूकवा दिया है। निर्माण कार्य को आगे जारी रखने के लिये यह तथाकथित भाजपा नेता राशि के जुगाड़ में शासन के द्वारा निर्माणाधीन कार्यों के स्थल पर पहुंचकर वहां उपस्थित ठेकेदारों, अधिकारियों से वसूली करता है।

इसी वसूली अभियान के तहत उसने बीति रात महानदी से रेत भरकर निकल रही हाईवा वाहनों को रोककर पिटपास दिखाये जाने की मांग की जिस पर संबंधित हाईवा के चालकों ने उसे भेंट पूजा चढ़ाकर अपना पल्ला झाड़ लिया। उक्त बड़बोले नेता के ऐसी करतूतों की वजह से पार्टी की छवि खराब हो रही है। अब देखना है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता इस पर क्या कार्यवाही करते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### कसडोल की 8 संदिग्ध मौतों पर नया मोड़: कांग्रेस विधायक ने उठाई सीबीआई जांच की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले के कसडोल क्षेत्र के खर्वे गांव में हुई 8 संदिग्ध मौतों का मामला अब राजनीतिक रंग लेने लगा है। पुलिस द्वारा गांव के ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किए जाने के बावजूद ग्रामीणों के बीच तंत्रविद्या की आशंका बनी हुई है। इसी बीच कांग्रेस विधायक संदीप साहू ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा से सीबीआई या विशेष जांच दल एसआईटी से जांच कराने की मांग की है। विधायक संदीप साहू ने कहा कि फरवरी से 14 मई के बीच हुई 8 मौतों की सच्चाई सामने लाने के लिए उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है। उनका कहना है कि स्थानीय लोग लगातार तंत्रविद्या की आशंका जता रहे हैं, इसलिए पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सभी संदेह दूर हो सकें।गौरतलब है कि खर्वे गांव में लगातार हुई संदिग्ध मौतों के बाद ग्रामीणों ने गांव के ही राम सहाय जायसवाल पर शक जताया था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार करने का दावा किया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पुरानी रंजिश, गाली-गलौज, अंधविश्वास और व्यक्तिगत विवाद के चलते लोगों को शराब में सुहागा मिलाकर पिलाया, जिससे उनकी मौत हो गई हालांकि पुलिस मामले का खुलासा कर चुकी है, लेकिन ग्रामीणों के बीच तंत्रविद्या को लेकर चर्चाएं अब भी जारी हैं। ऐसे में कांग्रेस विधायक की [illegible] या [illegible] जांच की मांग के बाद इस मामले पर राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। सरकार के अगले कदम पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

### शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, गिरफ्तारी नहीं होने पर पीड़िता पहुंची एसपी कार्यालय

रायपुर। जिले में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि निखिल रजक नामक युवक ने शादी का वादा कर उसका लंबे समय तक शारीरिक शोषण किया और बाद में शादी से इनकार कर दिया। युवती का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर उसका अपमान किया। पीड़िता ने बताया कि उसने महिला थाना और दर्री थाना में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। कार्रवाई नहीं होने से नाराज पीड़िता अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के साथ मामले में कथित लापरवाही की जांच की मांग की। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

### ई-रिक्शा से बैटरी चोरी करने वाले समेत तीन पकड़ाए

रायपुर। रायपुर के खमतराई थाना पुलिस ने ई-रिक्शा से बैटरी चोरी के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो बैटरियां बरामद की हैं, जिनकी कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, भनपुरी निवासी राजू सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 24 जून की रात उनके घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा से दो बैटरियां चोरी हो गई थीं। मामले की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गोदावरा स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास एक व्यक्ति चोरी की बैटरियां बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर राय सिंह उर्फ प्रकाश को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल करते हुए बताया कि उसने चोरी की दोनों बैटरियां दीपक कुमार उर्फ दीपू और किसुन उर्फ किशन को 5-5 हजार रुपये में बेच दी थीं। इसके बाद पुलिस ने दोनों खरीदारों को भी गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि दोनों ने चोरी का सामान होने की जानकारी के बावजूद बैटरियां खरीदी थीं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो बैटरियां बरामद कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

### शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी सख्ती से गिरफ्तार

रायपुर। रायगढ़ पुलिस के अभियान 'संवेदना' के तहत महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 28 वर्षीय पीड़िता ने महिला थाना रायगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2024 में निजी वित्तीय कंपनी से ऋण लेने के दौरान उसकी पहचान कंपनी में फाइनेंसर के रूप में कार्यरत हितेश कुमार केवट से हुई थी। लोन संबंधी कार्य के चलते आरोपी का पीड़िता के घर आना-जाना शुरू हुआ। इसी दौरान आरोपी ने युवती को शादी का भरोसा दिलाकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने बताया कि अप्रैल 2026 में उसे जानकारी मिली कि आरोपी की शादी किसी अन्य युवती से तय हो गई है।

---

**निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा सुनिश्चित करने के निर्देश**

# स्कूटी से शहर का निरीक्षण करने निकले उपमुख्यमंत्री अरुण

- अरपा नदी के पुनरुद्धार के लिए 251 करोड़ के प्रोजेक्ट को दी सैद्धांतिक सहमति
- 70 नालों के गंदे पानी को नदी में जाने से रोकने बनेगा व्यापक तंत्र

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज लगभग तीन घंटे तक स्कूटी से बिलासपुर शहर का भ्रमण कर नगर निगम, स्मार्ट सिटी तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि कार्यों में अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी और नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे भी उनके निरीक्षण के दौरान मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आज बिलासपुर में मंगला स्थित 10 एमएलडी एवं 6 एमएलडी क्षमता के निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), कोनी कन्वेंशन सेंटर, शिवघाट बैराज, रामसेतु के बाईं ओर अटल पथ निर्माण, अशोकनगर-बिरकोना सड़क गौरव पथ निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने में आ रही बाधाओं का निराकरण कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसटीपी निर्माण में विलंब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ठेकेदार निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि अरपा नदी



बिलासपुर की जीवनदायिनी है और शहरवासियों की भावनाओं से जुड़ी हुई है। इसके संरक्षण एवं पुनरुद्धार में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने अरपा नदी को प्रदूषण से मुक्त करने और उसके पुनरुद्धार के लिए तैयार 250 करोड़ 93 लाख रुपये की परियोजना को सैद्धांतिक सहमति प्रदान करते हुए इसे शीघ्र धरातल पर उतारने की आवश्यकता बताई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में शहर के लगभग 70 नालों का दूषित पानी सीधे अरपा नदी में गिर रहा है, जिससे नदी का जल प्रदूषित हो रहा है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम द्वारा 250 करोड़ 93 लाखि रुपये की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया गया है। इसके तहत नगर निगम सीमा क्षेत्र में 17 किलोमीटर लंबाई में प्रवाहित 70 नालों के दूषित जल को उपचारित करने की व्यापक योजना बनाई गई है। परियोजना में 57 स्थानों पर इंटरसेप्शन एवं डाइवर्जन स्ट्रक्चर, 13 स्थानों पर डाइवर्जन वियर, 9.99 किलोमीटर डाइवर्जन सीवर, 2.77 किलोमीटर सीवरेज पंपिंग राइजिंग मेन, 3 सीवेज पंपिंग स्टेशन, 2 नए एसटीपी सहित विद्युतीकरण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन कार्य शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से नालों का गंदा पानी नदी में जाने से पहले उपचारित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर राज्य शासन स्तर पर त्वरित स्वीकृति की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अरपा नदी के संरक्षण का कार्य जल्द प्रारंभ हो सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहर में बेतरतीब ढंग से लगे बिजली के खंभों एवं ट्रांसफार्मरों को व्यवस्थित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश भी दिए।

---

# साय के सुशासन में साकार हो रहा पक्के आवास का सपना.....

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रदेश के लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) केवल एक आवासीय योजना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया अध्याय लिखने का माध्यम बन रही है। इस योजना के जरिए ऐसे परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, जो वर्षों से कच्चे और जर्जर मकानों में रहने को मजबूर थे। रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आमगांव निवासी ललित कुमार राठिया भी उन हितग्राहियों में शामिल हैं, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले ललित कुमार राठिया मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति ही बड़ी चुनौती थी। ऐसे में स्वयं का पक्का मकान बनाना उनके लिए लगभग असंभव था। ललित कुमार राठिया का परिवार वर्षों तक मिट्टी और खपरैल से बने कच्चे मकान में निवास करता रहा। बरसात के मौसम में घर की छत से पानी टपकता था और दीवारों में नमी भर जाती थी। कई बार लगातार बारिश होने पर घर के भीतर पानी तक भर जाता था, जिससे परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी और परिवार हमेशा किसी अनहोनी की आशंका से घिरा रहता था। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे स्वयं अपने संसाधनों से पक्का मकान बना सकें। इसी दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उनका चयन हुआ और उन्हें शासन से आवास निर्माण के लिए सहायता राशि स्वीकृत हुई। योजना का लाभ मिलने के बाद उन्होंने अपने सपनों के घर का निर्माण कार्य शुरू किया और कुछ ही समय में उनका पक्का आवास तैयार हो गया।

---

### पत्नी की मौत के सदमे में पति ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

रायपुर। धमतरी शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में पत्नी की मौत के सदमे में एक व्यक्ति द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान ब्राह्मणपारा निवासी अनिल सोनी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक कुछ समय पहले उनकी पत्नी का निधन हो गया था। इसके बाद से वह मानसिक तनाव और गहरे सदमे में रह रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि इसी तनाव के चलते उन्होंने जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया। परिजन गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें बचाया नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

---

**कांग्रेस पर भाजपा का तीखा हमला, अनुज शर्मा बोले**

# अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देना कांग्रेस की पहचान

रायपुर/ संवाददाता

भाजपा विधायक अनुज शर्मा ने धरसींवा क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में कथित ब्लैकमेलिंग और अवैध वसूली प्रकरण में कांग्रेस नेता सूरज सिंह ठाकुर एवं उसके सहयोगी की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का चरित्र अपराधियों को संरक्षण देने और राजनीति का अपराधीकरण करने वाला बन गया है। शर्मा ने कहा कि नाबालिग बालिका से जुड़े संवेदनशील मामले में कथित रूप से अवैध उगाही और ब्लैकमेलिंग की घटनाएं बेहद गंभीर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी



ने पार्टी के आचरण और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और जांच के आधार पर कार्रवाई कर रही है, ऐसे में कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन करना समझ से परे है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से यह भी सवाल किया कि मामले में गिरफ्तार नेताओं के खिलाफ पार्टी स्तर पर क्या कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इस पूरे प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी की। भाजपा विधायक ने कोंडागांव में पटवारी की नौकरी दिलाने के नाम पर कथित ठगी के मामले में कांग्रेस के जिला महामंत्री की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह घटना युवाओं के साथ धोखाधड़ी का उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को बढ़ावा मिला तथा कई लोग राजनीतिक संरक्षण का लाभ उठाकर आम लोगों को ठगते रहे। शर्मा ने कहा कि नौकरी के नाम पर ठगी के मामलों ने युवाओं के भरोसे को चोट पहुंचाई है।

---

# सीएम हेल्पलाइन 1076 बनी दूरस्थ अंचलों के लोगों की बड़ी उम्मीद....

- एक फोन कॉल पर प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त मिली, हितग्राही की समस्या का हुआ त्वरित समाधान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत बनाने के लिए संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन गई है। विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। एक फोन कॉल के माध्यम से उनकी शिकायतों का समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है। सुकमा जिले के जनपद पंचायत छिंदगढ़ अंतर्गत ग्राम भोपावाड़ा निवासी श्री जोगा हिरमा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की दूसरी किस्त का भुगतान लंबित होने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने मामले की जांच की। जांच में पाया गया कि हितग्राही का आवास निर्धारित स्तर तक पूरा हो चुका है। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए दूसरी किस्त के भुगतान के लिए एफटीओ जारी किया गया और राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में जमा कर दी गई। इसके बाद संबंधित अधिकारी ने हितग्राही को भुगतान की जानकारी दी और शिकायत का सफलतापूर्वक निराकरण कर दिया गया। यह उदाहरण बताता है कि सीएम हेल्पलाइन 1076 अब केवल शिकायत दर्ज करने का माध्यम नहीं, बल्कि समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का मजबूत तंत्र बन चुकी है। दूर-दराज के गांवों में रहने वाले नागरिक भी अब अपनी बात सीधे शासन तक पहुंचा रहे हैं और उनकी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश सरकार की इस पहल से आम लोगों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है। सीएम हेल्पलाइन 1076 सुशासन की भावना को साकार करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर हितग्राहियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

---

### बहुमंजिला भवनों में फायर और लिफ्ट सुरक्षा के कड़े निर्देश, सभी नगरीय निकायों को सरकार की एडवाइजरी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सभी नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों को बहुमंजिला भवनों में अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी) और लिफ्ट सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी नगर निगम आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को विस्तृत एडवाइजरी भेजी है।जारी निर्देशों के अनुसार, बहुमंजिला आवासीय, व्यावसायिक और मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड यूज) वाले भवनों में रहने वाले लोगों तथा आगंतुकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए फायर सेफ्टी और लिफ्ट संचालन से जुड़े सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह एडवाइजरी राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी-2016), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के प्रासंगिक मानकों तथा छत्तीसगढ़ अग्नि एवं आपातकालीन सेवा अधिनियम-2018 सहित अन्य लागू नियमों के अनुरूप तैयार की गई है। इसका उद्देश्य भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना, आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करना ।

---

# मन की बात' समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला जनआंदोलन बन चुका है

- मड़ईगुड़ा में ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों के साथ सुना प्रधानमंत्री के 'मन की बात' का 135वां संस्करण

रायपुर/ संवाददाता

मन की बात' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर महीने प्रसारित किया जाने वाला एक गैर-राजनीतिक रेडियो कार्यक्रम है द्य इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता के साथ संवाद स्थापित करना और देश के कोने-कोने में समाज, राष्ट्रहित और पर्यावरण के लिए निस्वार्थ काम करने वाले गुमनाम नायकों व उनकी प्रेरणादायक कहानियों को उजागर करना है वन मंत्री एवं सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने रविवार को सुकमा जिले के मड़ईगुड़ा वन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, कलेक्टर श्री अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण, डीएफओ श्री अक्षय भोंसले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, युवा और बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि 'मन की बात' आज केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाला जनआंदोलन बन चुका है। इसके माध्यम से देशभर में समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करने वाले लोगों को पहचान मिल रही है तथा नागरिकों को विकास की यात्रा में सहभागी बनने की प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी तकनीक, वैज्ञानिक सोच, नवाचार और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया। स्वदेश में निर्मित सी-295 (ष्ट-295) सैन्य परिवहन विमान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है, जो प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। साथ ही वैज्ञानिक सोच अपनाने, अंधविश्वास से दूर रहने तथा अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह संदेश विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा।

---

**1578 बूथों पर चलाया जा रहा विशेष अभियान**

# जिले के 1 लाख 72 हजार 423 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य.........

- बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ आज कोरबा जिले में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम, आबकारी तथा सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने रानी धनराज कुंवर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोरबा में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर किया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन एवं पार्षद श्रीमती रूबी सागर सहित जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के प्रथम चरण के शुभारंभ पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए आमजन एवं जनप्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक माता-पिता का यह दायित्व है कि वे अपने जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि यह अभियान बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें किसी भी बच्चे का छूटना नहीं चाहिए। मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि जिले में आज 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 1 लाख 72 हजार 423 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिलेभर में 1578 पल्स पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीमों द्वारा बच्चों को दवा पिलाई जा रही है। इसके अलावा गांवों, पारा-मोहल्लों, वार्डों, बाजारों, चौक-चौराहों एवं हाट-बाजारों में भी विशेष व्यवस्था की गई है,।

# संपादकीय

## लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं

हादसे छोटे हों या बड़े - किसी भी मामले में अगर कोताही न बरती जाए, नियमों को लेकर सख्ती की जाए, तो काफी हद तक ऐसे हादसों को टाला जा सकता है। जरूरत गंभीरता से कार्रवाई करने की है। जैसे ही कोई हादसा होता है, धड़ाधड़ सूचनाएं आने लगती हैं कि कैसे नियमों के अनुपालन में कोताही बरती गई और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों की अनदेखी की गई। भवन निर्माण की मंजूरी, सुरक्षा मानकों के अनुपालन, निरीक्षण तंत्र, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और विभिन्न विभागों की लापरवाही को लेकर असंख्य तथ्य सामने आने लगते हैं।लखनऊ के अलीगंज हादसे को लेकर भी खबरें आ रही हैं। नियमों के अनुपालन में सख्ती के दावे अधिकारी कर रहे हैं। कई स्तर पर कार्रवाई की सूचनाएं प्रशासन जारी कर रहा है।अहम सवाल है कि अगर खामियों के बारे में पहले से सब कुछ पता रहता है, तो किस मजबूरी में प्रशासन ने इस मामले में अब तक आंखें बंद कर रखी थीं? ऐसे हादसों में नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठते हैं। कुछ दिनों तक जांच चलती है और खामोशी छा जाती है। जांच में ऐसी कोताही अस्वीकार्य होनी चाहिए।दरअसल, इस तरह के हादसे मौजूदा दौर में सेवा क्षेत्र के इर्द-गिर्द फलती-फूलती शिक्षा अर्थव्यवस्था, अनियोजित शहरी विस्तार और नियमन की विफलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। कम पूंजी निवेश में मोटे मुनाफे के लालच में नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। ऐसे उल्लंघन पूरे भारत में आम हैं, जहां व्यावसायिक और शैक्षिक प्रतिष्ठान बुनियादी सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी कर रहे हैं।लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि लगभग एक दशक पहले कथित अनधिकृत निर्माण के आरोप में अलीगंज की संपत्ति को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इसे एलडीए आवास योजना के तहत आबंटित किया गया और बाद में बेचा गया था। इसे 2014 में आवासीय संरचना के रूप में मंजूरी दी गई थी।एलडीए ने अवैध निर्माण का पता चलने पर मई 2016 में गिराने का आदेश जारी किया, लेकिन दो महीने के भीतर ही आदेश वापस ले लिया। इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं कि विध्वंस के आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ? इसे वापस क्यों लिया गया?लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं। अधिकांश योजनाओं और भवन उपनियमों में मिश्रित उपयोग वाले निर्माण की अनुमति दी जाती है, बशर्ते ऐसी इमारतें अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करती हों।लखनऊ के हादसे से स्पष्ट है कि दशकों तक गैर-कानूनी तरीके से आवासीय इमारत में कोचिंग संस्थान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रहीं और प्रशासन सोता रहा। आए दिन होने वाले अग्निकांड से कोई सबक नहीं सीखा गया। प्रत्येक आपदा से मिलने वाले सबक सीमित रह जाते हैं। घटना के तुरंत बाद इमारत को सील करने और नोटिस देने का जो सिलसिला शुरू होता है, वह महज एक नियमित प्रक्रिया है। जांच की कवायद कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चली जाती है।

# देश का निवेश हब बनता यूपी

**यह वह पृष्ठभूमि है, जिसके सापेक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए बदलावों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 2017 में सत्ता संभालने के बाद उन्होंने वह धरातल तैयार करने के बारे में सोचा, जो उद्मियों को भरोसा दे सके। यह भरोसा तभी संभव था जबकि कानून व्यवस्था में सुधार हो, नौकरशाही अपना चरित्र बदले और वे सारे संसाधन प्रत्यक्ष दिखाई दें जो किसी भी उद्यमी की जरूरत होते हैं। सोच को संकल्प मिला तो संभावनाएं भी बनीं और 2018 में हुए यूपी इन्वेस्टर्स समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने देश-दुनिया में यह संदेश दे दिया कि सीएम योगी के नेतृत्व में अब यूपी सही राह पर है।**

(डा. अतुल सरन)

चाणक्य ने कहा है-'अर्थस्य मूलं राज्यम्, राज्यस्य मूलं इन्द्रियजयः।' आशय यह कि किसी भी राज्य की संपन्नता का मूल उसकी सुदृढ़ अर्थव्यवस्था में है और अर्थव्यवस्था का मूल नेतृत्व के अनुशासन और दृढ़ता में है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नौ साल से अधिक कार्यकाल का आकलन करें तो राज्य की संपन्नता का चाणक्य सूत्र अपनी पूरी अवधारणा में साकार होता दिखाई देता है। राज्य में यदि पूंजी का प्रवाह बढ़ रहा है तो यह दीर्घकालिक संभावनाओं, सुरक्षा, स्थिरता और सुशासन की दिशा में बढ़ता हुआ कदम है। बेंगलुरु में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर होना, राज्य में पूंजी प्रवाह की श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह सिर्फ आर्थिक उपलब्धि ही नहीं, बदलती हुई प्रशासनिक सोच, वैश्विक मंच पर बढ़ते विश्वास और एक ऐसे राज्य का शंखनाद है जो देश के आर्थिक मोर्चे पर अब सिर उठाकर खड़ा है। ऐसा राज्य जो उपभोक्ता ही नहीं, प्रदाता व सृजनकर्ता भी है। उत्तर प्रदेश में हुए इस बदलाव के मूल मंत्र की ओर जाएं तो एक लाइन में हम यह कह सकते हैं कि राज्य ने अपनी सामूहिक सामर्थ्य को पहचान लिया है। और, जब हम अपनी सामर्थ्य को पहचान लेते हैं तो प्रगति के अनेक रास्ते स्वतः ही खुलने लगते हैं। बेंगलुरु में देश के विख्यात उद्योगपतियों द्वारा उत्तर प्रदेश की सराहना वस्तुतः यूपी के उस विकास मॉडल की स्वीकारोक्ति है जिसे मुख्यमंत्री योगी सेफ्टी, स्टेबिलिटी व स्पीड के 3-एस मॉडल की संज्ञा देते हैं। गूगल जैसी वैश्विक संस्था यदि यूपी के साथ मिलकर काम करने को आतुर दिखाई देती है तो यह सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर, बेमिसाल कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन को अभिव्यक्ति देती है। स्थापित सिद्धांत है कि किसी भी राज्य का समग्र विकास केवल भौतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि अडिग आत्मविश्वास, दूरदृष्टि और दृढ़ नेतृत्व से आकार लेता है और वर्तमान में उत्तर प्रदेश ऐसे ही युगांतरकारी मोड़ पर खड़ा है।

**चुनौतियों से जूझते हुए आगे बढ़ा यूपी** – उत्तर प्रदेश की यह विडंबना ही रही है कि एक दशक पहले तक उसकी पहचान ऐसे राज्य के रूप में रही, जहां प्रतिभाएं तो होती थीं, लेकिन उनके लिए अवसर बहुत सीमित थे। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र भारी उपेक्षा का शिकार था। कोई स्पष्ट औद्योगिक दृष्टि नहीं, कोई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति नहीं। निवेशक-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में तो कोई विचार ही नहीं करता था। निवेशक भी उत्तर प्रदेश के बारे में नहीं सोचते थे, क्योंकि माफिया राज, खराब कानून-व्यवस्था और लालफीताशाही में उद्योग पनपने की संभावनाएं न के बराबर होती हैं। जो थोड़ी-बहुत आईटी गतिविधियां थीं, वे केवल कॉल सेंटर के दायरे में सिमटी हुई थीं।

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अहम रोल** – यह वह पृष्ठभूमि है, जिसके सापेक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए बदलावों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 2017 में सत्ता संभालने के बाद उन्होंने वह धरातल तैयार करने के बारे में सोचा, जो उद्मियों को भरोसा दे सके। यह भरोसा तभी संभव था जबकि कानून व्यवस्था में सुधार हो, नौकरशाही अपना चरित्र बदले और वे सारे संसाधन प्रत्यक्ष दिखाई दें जो किसी भी उद्यमी की जरूरत होते हैं। सोच को संकल्प मिला तो संभावनाएं भी बनीं और 2018 में हुए यूपी इन्वेस्टर्स समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने देश-दुनिया में यह संदेश दे दिया कि सीएम योगी के नेतृत्व में अब यूपी सही राह पर है। 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने तो यूपी की पहचान ही बदल दी और यह स्थापित कर दिया कि उत्तर प्रदेश अब देश का निवेश हब बनने की ओर अग्रसर है। आज बेंगलुरु में उत्तर प्रदेश के नाम पर 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। इससे पहले 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का आना, राज्य का वह आत्मविश्वास है, जो उसने पिछले नौ वर्षों से अधिक समय में अर्जित किया है।

**उत्तर प्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति 2024** – विश्वास के इस धरातल पर उत्तर प्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति 2024 की वास्तविक महत्ता सामने आती है। यह नीति राज्य की आर्थिक महत्वाकांक्षा का एक सुविचारित घोषणापत्र है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान, साइबर सुरक्षा संचालन और डेटा विश्लेषण आदि समाहित है। यह नीति निवेश को रोजगार से सीधे जोड़ने में सक्षम है। इसमें पूंजी निवेश पर सब्सिडी के साथ-साथ भर्ती, वेतन, प्रशिक्षण और इंटर्नशिप तक को प्रोत्साहन में शामिल किया गया है। बेंगलुरु में हुए निवेश समझौते इस रणनीति की पहली और सबसे प्रतीकात्मक परीक्षा हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि ये निवेश वार्ताएं बेंगलुरु में हुईं, उस शहर में हुईं, जहां उत्तर प्रदेश की प्रतिभाओं को पनाह मिलती रही है। योगी सरकार ने वहां जाकर अपनी प्रतिभाओं को वापस नहीं मांगा, बल्कि नियोक्ताओं को यूपी आने का न्योता दिया। यह आत्मविश्वास तभी पैदा होता है जब राज्य अपने को सक्षम समझता है। उत्तर प्रदेश आज सक्षम है तो इसलिए कि उसके पास विशाल प्रतिभा-पूल है, इन्फ्रास्ट्रक्चर है, कनेक्टिविटी है। ऐसी सरकार है जो निवेशक की भाषा और उनकी आवश्यकताएं समझती है।

**यूपी में आर्थिक परिवर्तन की संभावनाएं ज्यादा** – उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिवर्तन में संभावनाओं का असीम आसमान दिखाई दे रहा है। नोएडा का जेवर एयरपोर्ट इसे और बड़ी उड़ान देगा। बेंगलुरु में निवेशक संवाद के दौरान उद्यमियों ने इसे स्वीकार भी किया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे आने वाले वर्षों में देश के प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में दिखाई देंगे। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) उद्योग विशेषज्ञ और एआई रणनीतिकार अनिल पद्मनाभन भी मानते हैं कि मजबूत शासन व्यवस्था, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेश समर्थक वातावरण ने उत्तर प्रदेश को जीसीसी क्षेत्र का आदर्श गंतव्य बनाया है। वैश्विक इंश्योरेंस ब्रोकिंग कंपनी एओन यदि नोएडा स्थित अपने कार्यालय में लगभग एक हजार अतिरिक्त कर्मचारियों को जोड़ने की योजना पर काम कर रही है तो यह स्पष्ट है कि राज्य में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार अवसरों का दायरा लगातार बढ़ रहा है।

**कुशल जनशक्ति की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना होगा** – आर्थिक प्रगति की राह में चुनौतियां भी बढ़ती हैं। सबसे बड़ी चुनौती तो यही है कि निवेश प्रस्तावों को हर हाल में धरातल पर लाना होगा। भूमि अधिग्रहण, अनुपालन सरलीकरण, कुशल जनशक्ति की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना होगा। निवेश को आकर्षित करना एक कौशल है और उसे टिकाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी। हालांकि योगी सरकार की दिशा उत्साहजनक रही है और पूर्व में सार्थक परिणाम भी सामने आए हैं। प्रदेश अब कृषि और उपभोग-आधारित अर्थव्यवस्था की सीमा से बाहर निकलकर नवाचार, प्रौद्योगिकी और ज्ञान-आधारित विकास की ओर बढ़ रहा है। राज्य की प्रगति के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश ने भारत की विकास गाथा लिखनी शुरू कर दी है और पूरी क्षमता के साथ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान को आतुर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेंगलुरु यात्रा ने उत्तर प्रदेश के भविष्य की निर्णायक दस्तक दी है। भविष्य लोगों की कल्पना से कहीं अधिक प्रभावशाली होगा, क्योंकि यह राज्य अपनी मानसिकता बदल चुका है। अब यहां जनसंख्या बोझ नहीं है। यहां का मानव संसाधन नेतृत्व के लिए तैयार हो रहा है। (लेखक पूर्व वित्त नियंत्रक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय है)। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

# वैभव के लिए अलग चेंजिंग रूम, क्या भारत में भी किशोर खिलाड़ियों के लिए होने चाहिए ऐसे नियम?

(कल्याणी)

भारतीय क्रिकेट की युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी के अलग चेंजिंग रूम ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है। इंग्लैंड और आयरलैंड में लागू नाबालिग खिलाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था क्या भारत में भी जरूरी है?

हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के दौरान अपनी टीम से अलग चेंजिंग रूम का उपयोग करना होगा। हालांकि, यह व्यवस्था या कानून कुछ लोगों को अटपटी लग सकती है, लेकिन इसके पीछे खिलाड़ियों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ से जुड़े गंभीर कारण है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के नियमों के अनुसार 16 वर्ष से काम आयु के खिलड़ियों के लिए विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किये जाते हैं।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट की सबसे चर्चित युवा प्रतिभाओं में से एक हैं। बिहार के इस बल्लेबाज ने मात्र 12 वर्ष की आयु में रणजी ट्रॉफी में बिहार का प्रतिनिधित्व कर सबका ध्यान आकर्षित किया था। इसके बाद 14 वर्ष की उम्र में उन्हें इंडियन प्रिमियर लीग (आईपीएल) में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने वरिष्ठ और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया।

उस समय भारत में उनके लिए अलग चेंजिंग रूम जैसी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी, लेकिन अब इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर 15 वर्षीय वैभव के लिए अलग चेंजिंग रूम की व्यवस्था की जा रही है। इसका कारण यह नहीं है कि खिलाड़ी बदल गया है, बल्कि यह है कि जिस देश में प्रतियोगिता आयोजित हो रही है, वहां के नियम अलग हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि यदि इंग्लैंड और आयरलैंड जैसे देशों में नाबालिग खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए ऐसे नियम आवश्यक माने जाते हैं, तो क्या भारत को भी इस दिशा में गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए?

इंग्लैंड और आयरलैंड में सेफगार्डिंग का अर्थ केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि नाबालिग खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को सुनिश्चित करना भी है। इसी कारण 16 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों के लिए अलग चेंजिंग रूम, अभिभावकों की उपस्थिति और विशेष निगरानी जैसी व्यवस्थाएं की जाती हैं।

वैभव सूर्यवंशी का मामला यह प्रश्न भी उठाता है कि क्या भारत में भी उभरते किशोर खिलाड़ियों की सुरक्षा और देखभाल के लिए ऐसे स्पष्ट दिशानिर्देशों पर विचार किया जाना चाहिए?

भारतीय खेल जगत में कम उम्र के खिलाड़ियों का आना कोई आम बात नहीं है। क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज, फुटबॉल, कुश्ती और अन्य खेलों में कई प्रतिभाएं किशोरावस्था में ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच चुकी हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ऐसे खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित हो रहे होते हैं, तब उस स्थिति में उनका देखभाल और भावनात्मक सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि किशोरावस्था बहुत ही संवेदनशील उम्र होती है। इस उम्र में व्यक्ति अपनी, पहचान, आत्मविश्वास और सामाजिक व्यवहार को विकसित कर रहा होता है। युवा खिलाड़ियों के साथ अधिक रहने के बाद किशोरा खिलाड़ी अनावश्यक दबाव, असहजता और तनाव महसूस कर सकता है।

खेल मनोविज्ञान के विशेषज्ञ मानते हैं कि कम उम्र के खिलाड़ियों को ऐसा माहौल मिलना चाहिए जहां वे खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सकें। सुरक्षा का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा से नहीं होता, बल्कि मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा से भी होता है।

भारत में खेलों का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। आज अधिक से अधिक बच्चे खेल जगत में अपनी करियर बना रहे है। ऐसे में केवल प्रतियोगिताओं या उससे जुड़ी सुविधाओं पर ध्यान देना ही काफी नहीं है। खिलाड़ियों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और बड़े खिलाड़ियों के साथ उनका व्यवहार कैसा होना चाहिए इस पर भी हमें काम करने की जरूरत है। इससे न केवल खिलाड़ी या उनके परिवार का भरोसा बढ़ेगा, साथ ही खेल संस्थाओं की जवाबदेही भी सुनिचित होगी।

इसके साथ ही हमें यह भी ध्यान रखना है कि किसी के नियम की नकल नहीं करना है, लेकिन इस विषय पर गहरे चिंतन-मनन या व्यापक चर्चा के बाद नियमों का स्वरूप तय करना चाहिए। यह व्यवस्था केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं है। पिछले वर्ष इंग्लैंड के प्रसिद्ध फुटबॉल क्लब आर्सेनल स्रष्ट के युवा खिलाड़ी मैक्स डाउमैन को भी 16 वर्ष की आयु पूरी होने तक अपनी टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों से अलग चेंजिंग रूम इस्तेमाल करना पड़ा था। यह दर्शाता है की यूरोपीय खेल संस्थान नाबालिग खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। यह नियम किसी विशेष छूट या भेदभाव के लिए नहीं, बल्कि खिलाड़ी के कल्याण और सुरक्षा के हित के रूप में देखा जाए।

# जल संरक्षण में जवाबदेही की जरूरत, समाज को अपने नकारात्मक रवैए में बदलाव लाना बेहद जरूरी

**इस प्रकार, यह निवेश पानी के मामले में दुनिया के तमाम जागरूक देशों का भविष्य निश्चित रूप से सुरक्षित कर सकता है। विश्व बैंक की उस चेतावनी को याद करना चाहिए, जिसमें उसने अपने ही एक अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है कि वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण वर्ष 2030 तक विश्व भर में लगभग सात करोड़ लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ सकता है। विश्व बैंक की आशंका विश्व भर के जलाशयों में जल भंडारण की लचर व्यवस्था को लेकर है, जो बिल्कुल सही प्रतीत होती है। ऐसे में विस्थापितों का आंकड़ा उसके आंकड़े से अधिक भी हो सकता है।**

(चेतनादित्य आलोक)

देश भर के जलाशयों में अब उनकी कुल जल भंडारण क्षमता का केवल 28.28 फीसद जल ही बचा हुआ है, जो एक आपात स्थिति का संकेत है। आजकल दुनिया भर के विचारकों, चिंतकों, समाज विज्ञानियों, मानवाधिकार विशेषज्ञों, पर्यावरण वैज्ञानिकों और सरकारों को संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुतरस घाली का लगभग तीन दशक पुराना वह कथन याद आता है, जिसमें उन्होंने दुनिया भर में पानी की कमी से जुड़ी परेशानियों के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए हो सकता है।

निस्संदेह उन्होंने बहुत ही गंभीर समस्या की ओर इशारा किया था। मगर उनकी चेतावनी पर ज्यादातर देशों ने कोई ध्यान नहीं दिया। अगर दुनिया ने उनकी बात मान ली होती, तो क्या संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में यह कहा जाता कि स्वच्छ पेयजल के अभाव में प्रतिवर्ष दुनिया भर में चौदह लाख से भी अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसलिए सभी देशों की सरकारों को जल संसाधन में निवेश करना चाहिए।

वास्तव में यह दुखद स्थिति है कि साफ पीने का पानी न मिलने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियों का शिकार होकर लाखों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवा देते हैं। जाहिर है कि दुनिया भर की सरकारों को संयुक्त राष्ट्र की बात को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधनों के संरक्षण में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र ने जिस निवेश की बात कही है, वह दरअसल, देशों की अर्थव्यवस्था तथा उनके नागरिकों के भविष्य में निवेश है। जब यह निवेश जन-साधारण तक शुद्ध पानी की पहुंच को सुनिश्चित करेगा, तब इसके अभाव में होने वाली बीमारियों से नागरिकों का बचाव हो सकेगा। इससे मानव संसाधन की सुरक्षा तो होगी ही, साथ ही लोगों के इलाज पर होने वाले खर्चों पर भी अंकुश लग सकेगा। इससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले अनावश्यक बोझ में भी कमी आएगी।

**विश्व बैंक की चेतावनी को याद करना चाहिए** – इस प्रकार, यह निवेश पानी के मामले में दुनिया के तमाम जागरूक देशों का भविष्य निश्चित रूप से सुरक्षित कर सकता है। विश्व बैंक की उस चेतावनी को याद करना चाहिए, जिसमें उसने अपने ही एक अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है कि वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण वर्ष 2030 तक विश्व भर में लगभग सात करोड़ लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ सकता है। विश्व बैंक की आशंका विश्व भर के जलाशयों में जल भंडारण की लचर व्यवस्था को लेकर है, जो बिल्कुल सही प्रतीत होती है। ऐसे में विस्थापितों का आंकड़ा उसके आंकड़े से अधिक भी हो सकता है।

**अपने देश में कैसी है स्थिति?** – भारत की बात करें, तो देश के प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण की व्यवस्था आज भी लचर बनी हुई है और इसमें सुधार होने के बजाय यह लगातार बिगड़ती जा रही है। जलाशयों और नदियों की निगरानी करने वाले केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, देश भर के सभी 166 जलाशयों में जल भंडारण 40 फीसद से भी नीचे गिर गया है।

वहीं, देश के सभी 20 नदी बेसिनों में भी जलस्तर लगातार घटता जा रहा है। असम, गोवा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के जलाशयों में जलस्तर पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम हो गया है। आयोग ने नौ अप्रैल 2026 को जारी अपने बुलेटिन में जलस्तर में तेजी से गिरावट की चेतावनी दी थी।

फिर 30 अप्रैल के अपने बुलेटिन में भी आयोग ने बताया था कि इन जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय भंडारण 71.082 अरब घन मीटर (बीसीएम) है, जो इनकी कुल क्षमता का केवल 38.72 फीसद ही है, जबकि नौ अप्रैल को यह 44.71 फीसद था। यानी महज 21 दिनों में ही देश के सक्रिय जल भंडारण में छह फीसद से अधिक की कमी आ गई।

अब केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 11 जून 2026 को देश के सभी 166 जलाशयों में केवल 51.92 बीसीएम पानी ही बचा हुआ है, जबकि इन जलाशयों की कुल सक्रिय भंडारण क्षमता 183.565 बीसीएम है, जो देश में अनुमानित कुल क्षमता 257.812 बीसीएम का करीब 71.20 फीसद ही है। यानी देश भर के जलाशयों में अब उनकी कुल जल भंडारण क्षमता का केवल 28.28 फीसद जल ही बचा हुआ है, जो एक आपात स्थिति का संकेत है।

तात्पर्य यह कि आने वाले समाहों में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति एवं जलविद्युत परियोजनाओं के लिए देश को एक बार फिर मानसून पर ही निर्भर रहना पड़ेगा।

**पानी के लिए हो रहे झगड़े** – बहरहाल, बुतरस घाली के अनुसार तीसरा विश्वयुद्ध तो शायद कभी न हो और हम सभी को ऐसा ही सोचना चाहिए। मगर यह सच्चाई है कि पानी के लिए भारत सहित दुनिया भर में हिंसक संघर्ष की घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं।

वैश्विक स्तर पर पानी पर काम कर रही संस्था 'पैसिफिक इंस्टीट्यूट' ने इस बारे में हैरान करने वाले आंकड़े साझा किए हैं। इनके अनुसार, वर्ष 2000 में जल संसाधनों को लेकर दुनिया भर में हुए टकरावों की महज बाईस घटनाएं ही सामने आई थीं। वहीं, 2022 में ऐसी 231 घटनाएं दर्ज की गईं, जो 2023 में बढ़ कर 347 तक पहुंच गईं।

इस प्रकार, वर्ष 2023 में जल संसाधनों को लेकर होने वाली हिंसक घटनाओं में नाटकीय बढ़ोतरी देखी गई। इन घटनाओं में वृद्धि का सिलसिला पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी है, जिसमें अब तक 1,477 फीसद तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

'पैसिफिक इंस्टीट्यूट' के अनुसार, वर्तमान दशक के पहले चार वर्षों में ही जल संघर्ष के 785 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले पूरे दशक (2010) की तुलना में काफी अधिक है। पानी को लेकर वर्ष 2024 में विश्व स्तर पर संघर्ष के 420 मामले दर्ज किए गए, जिनमें मध्य पूर्व, यूक्रेन, भारत, ईरान और मैक्सिको की घटनाएं शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था 'यूएनओडीसी' के अनुसार, वर्ष 2019-2021 के बीच भारत में दर्ज हत्याओं में से लगभग 20 फीसद यानी प्रत्येक पांच में से एक हत्या पानी के लिए ही हुई। यह सचमुच गंभीर स्थिति है। हालिया घटनाओं पर गौर करें, तो जून 2026 में देहरादून स्थित सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में पानी को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हुआ। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

इसी तरह, अप्रैल 2026 में मध्य अफ्रीकी देश चाड के एक प्रांत में दो समूहों के बीच एक जल-स्रोत पर कब्जे को लेकर शुरू हुई झड़प देखते-ही-देखते हिंसक प्रतिशोध में बदल गई।

इसमें 42 लोग मारे गए। ये तमाम घटनाएं दुखद तो हैं ही, दुनिया को आगाह करने वाली भी हैं। वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण संघर्षों और विवादों से निपटने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन आवश्यक है।

जरूरी है कि समाज अब जल स्रोतों, विशेष रूप से भूजल स्रोतों के संरक्षण और उनके सदुपयोग के प्रति जागरूक और जवाबदेह बने। इसके अतिरिक्त, वर्षा जल एवं अपशिष्ट जल के शोधित स्वरूप यानी शोधित जल के उपयोग के प्रति भी समाज को अपने नकारात्मक रवैए में बदलाव लाना बेहद जरूरी है, अन्यथा भविष्य में परिस्थितियां जीवन के प्रतिकूल बन सकती हैं।

# नक्सलमुक्त पालाचलमा के ग्रामीणों को बिजली,पानी और शिक्षा -स्वास्थ्य का इंतजार

**ग्रामीणों के बीच उनका दर्द बांटने पहुंची महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी**

**सुकमा।** जिला मुख्यालय से लगभग 170 किमी दूर पहाड़ियों के मध्य बसे हुए ग्राम पंचायत पालाचलमा जो कभी दुर्दांत नक्सली पापाराव एवं नागेश के नाम से पहचानी जाती थी गाँव के बीचोबीच ही एक बड़ा नक्सल स्मारक हुआ करता था आज पूर्ण रूप से नक्सलमुक्त हो चुका है।

आयोग सदस्य दीपिका ने एक एक करके बहुत सी योजनाओं की जानकारी पालाचलमा के ग्रामीणों को दिया व ग्रामीणों से पूछा की आज नक्सलमुक्त होने बाद आप लोगों को अच्छा लग रहा है कि आप लोगों की बातें मैं सुन रही हूं कि पहले अच्छा लगता था जब नक्सली जन अदालत लगा कर सिर्फ अपनी बात सुनाते थे जंगलराज चलाते थे इस पर ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि आज अच्छा लग रहा है

-दीपिका शोरी, सदस्य छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग

### 398 नाम पीएम आवास की सूची में फार्मिलिटी पूर्ण होते ही मिलेगी स्वीकृति

यहां के सचिव ने बताया कि शासन के मंशानुरूप आने वाले समय में हर घर को पक्का मकान मिलेगा सर्वे पूर्ण हो चुका है 398 हितग्राहियों की सूची बनकर तैयार है फार्मिलिटी पूर्ण होते ही स्वीकृति प्राप्त हो जाएगी जिससे ग्रामीणों का पक्के आवास का सपना पूर्ण होगा

### पारम्परिक स्वागत एवं माता मुतेलम्मा की पूजा अर्चना कर शुरू हुआ कार्यक्रम

आयोग सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी जब पालाचलमा ग्रामीणों के बीच पहुंचीं तो ग्रामवासियों ने शानदार पारम्परिक स्वागत किया ढोल,बैंड व नृत्य करते हुए स्थानीय देवी माता मुतेलम्मा के मंदिर तक ले गए पूजा अर्चना करने के पश्चात विधिवत कार्यक्रम की शुरुवात की।

पुजारी,पेरमा,पटेल एवं ग्रामीणों से सीधा संवाद कर जाना उनका दर्द

आयोग सदस्य दीपिका ने बिना किसी औपचारिकता के कार्यक्रम में उपस्थित पुजारी,पेरमा,पटेल,सरपंच,पूर्व सरपंच एवं ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनका दर्द जानने का प्रयास किया ,ग्रामीणों ने भी बिना किसी भय के अपनी बात आयोग सदस्य के बीच रखी

### नक्सलमुक्त होने के बाद भी राशन 9 किमी दूर

पालाचलमा के ग्रामीणों ने अपना दर्द बताते हुए कहा कि जब नक्सलबाद चरम पर था तो हमें राशन लेने हेतु गांव से 9 किमी दूर पालाचलमा से किस्टाराम जाना पड़ता था सड़क भी नहीं थी अनेकों परेशानियों का सामना करना पड़ता था पर अब हमारा गाँव नक्सलमुक्त हुए तीन माह हो चुके हैं परन्तु आज भी राशन हेतु वहीं जाना पड़ता है कमसे कम यह दूरी तो तत्काल कम होनी चाहिए जिससे हमें इस परेशानी से मुक्ति मिल सके इसपर आयोग सदस्य दीपिका ने उन्हें भरोसा दिलाया कि नक्सलमुक्त होने के बाद धीरे धीरे आपके गाँव की सारी मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाएगा जल्द से जल्द आपकी इस समस्या का भी हल होगा।

### 2009 के आसपास नक्सलियों ने ध्वस्त किया आश्रम शाला बच्चे अन्य क्षेत्रों में पढ़ने हेतु मजबूर

ग्रामीणों ने बताया कि पहले हमारा गाँव बहुत अच्छा था यहीं स्कूल था सभी खुशहाल थे नक्सलियों के आने के बाद यहीं सब तबाह हो गया आश्रमशाला आंगनबाड़ी सभी भवनों को 2009 के आसपास नक्सलियों ने तहस नहस कर दिया हमारे गाँव के 100 से अधिक बच्चे,शामशेट्टी,कोंटा,दोरनापाल,एर्राबोर,गादीरास आदि स्थानों पर अध्ययन कर रहे हैं, जिनसे मुलाकात करने हेतु हमें अतिरिक्त समय एवं राशि खर्च करनी पड़ती है अब पुनः यहीं से आश्रम शाला संचालित हो जिससे हमारे बच्चे हमारे बीच रहकर अध्ययन कर सकें ,आयोग सदस्य दीपिका ने उनकी इस मांग को छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णुदेव साय के पास पहुंचा कर उसका निदान भी अवश्य होगा ऐसा वादा भी किया।

### मार्ग पर लगे हैं मध्यप्रदेश के जमाने के बिजली के खम्बे -ग्रामीण चाहते हैं अब रोशन हो पालाचलमा

विदित हो कि जैसे ही किस्टाराम से पालाचलमा की ओर कच्ची सड़कों की ओर बढ़ते हैं तो मार्ग पर कहीं कहीं जब मध्यप्रदेश राज्य हुआ करता था उस वक्त के बिजली के खम्बे लगे हुए हैं जो यह कहानी कह रहे हैं कि कभी यहां भी गुलिस्तां था यहाँ भी शान्ति थी अमन था चैन था परन्तु जैसे ही नक्सलियों का राज हुआ पूरा क्षेत्र अशांति और दर्द में डूब गया, अब पालाचलमा के ग्रामीणों पुनः उसी रोशनी की ओर लौटना चाहते हैं उन्होंने आयोग सदस्य से अपनी सबसे प्रमुख मांग यही रखी तो आयोग सदस्य ने भी पूर्ण भरोसा दिलाया व कहा जल्दी ही मिलेगी रोशनी और आपके बच्चे अपने रोशन घर में ही अध्ययन करेंगे।

### निर्माण कार्यों का लिया जायजा

आयोग सदस्य ने ग्राम में हो रहे निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया व एजेंसियों को निर्देश भी दिया कि किसी भी प्रकार के अनियमितताओं की गुंजाइश न रखें गुणवत्तापूर्ण कार्य न होने पर निश्चित ही कार्यवाही होगी।

मैंने यहाँ आकर देखा कि यहां के ग्रामीण एक नवजात शिशु की तरह हैं उन्हें नहीं पता अपने अधिकार,कानून, शासन की लाभकारी योजनाएं ,कैसे होगा विकास मैंने उन्हें आश्वस्त किया है कि हमारे प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, गृहमंत्री विजयशर्मा, हमारे मुखिया विष्णुदेव साय के देश के गृहमंत्री अमित शाह व हम सबके के प्रधान सेवक नरेन्द्रमोदी दिल्ली एवं रायपुर में बैठकर आप सभी की चिंता कर रहे हैं जिसका परिणाम है कि यह क्षेत्र नक्सलमुक्त हुआ है और बहुत जल्द ही यहां तक सारी मूलभूत सुविधाएं भी पहुंचेंगी।

# किरंदुल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री के 'मन की बात' का 135वाँ संस्करण

**योग और खेल के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी सहित कई विषयों पर चर्चा की**

**किरंदुल।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें संस्करण का प्रसारण रविवार को हुआ। भारतीय जनता पार्टी मंडल किरंदुल के कार्यकर्ताओं ने सभी शक्तिकेंद्रों एवं बूथ केंद्रों में आम नागरिकों के साथ बैठकर कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में प्रकृति संरक्षण से जुड़े प्रयासों, हरगिला पक्षी संरक्षण जैसी प्रेरणादायक पहल, योग और खेल के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी सहित कई विषयों पर चर्चा की। उन्होंने देशवासियों को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया।उन्होंने लोगों से देशहित में छोटी-छोटी जिम्मेदारियां निभाने, ऊर्जा और ईंधन की बचत करने, पर्यावरण संरक्षण तथा जनभागीदारी को बढ़ावा देने की अपील की। बंगाली कैंप शक्ति केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी शक्ति केंद्र संयोजक संजू दास ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री सीधे देश के लोगों से जुड़ते हैं और समाज में अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर भावना सक्सेना यशोदा चुन्नम सरस्वती डेहरिया मणिकुट्टन नायर सत्येंद्र गुप्ता शशिकला सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# हिंसा से विकास की ओर : आत्मसमर्पित महिलाओं के बीच पहुंचीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पुनर्वास नीति को बताया नई जिंदगी की राह

**आत्मसमर्पित महिलाओं के बीच पहुंचीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पुनर्वास नीति को बताया नई जिंदगी की राह**

**नारायणपुर।** महिला एवं बाल विकास मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने एक दिवसीय नारायणपुर प्रवास के दौरान नक्सल पुनर्वास केंद्र पहुंचकर आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों से आत्मीय मुलाकात की और उनसे खुलकर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा महिलाओं के अनुभव सुनते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। संवाद के दौरान आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति की सराहना करते हुए कहा कि नक्सल संगठन का जीवन भ्रम, भय और गुमराह करने वाली विचारधारा से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि मुख्यधारा से जुड़ने के बाद उन्हें सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की नई राह मिली है। शासन की पुनर्वास नीति के तहत उन्हें कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि शासन की मंशा है कि हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि कई पूर्व नक्सली आज सरकारी दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं या सामान्य नागरिक के रूप में सफल जीवन जी रहे हैं, जो पुनर्वास नीति की सफलता का प्रमाण है। मंत्री मती राजवाड़े ने उपस्थित सभी महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल एवं मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुनर्वास, कौशल विकास और रोजगार के माध्यम से आत्मसमर्पित नक्सलियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि वे समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, नगर पालिका के पार्षदगण, जिला पंचायत सीईओ सु आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी सहित जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

# दिव्यांग बच्चों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय पहुंचकर बढ़ाया हौसला



**नारायणपुर ।** महिला एवं बाल विकास मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने नारायणपुर प्रवास के दौरान परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरणादायी संदेश दिया। विद्यालय पहुंचने पर दिव्यांग विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर उनका अभिनंदन किया। बच्चों की स्नेहपूर्ण प्रस्तुति और उत्साह को देखकर मंत्री भावुक एवं अभिभूत नजर आईं। विद्यालय के निरीक्षण के दौरान मंत्री मती राजवाड़े ने शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से आत्मीयता के साथ बातचीत की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट एवं पेन वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बच्चों ने मंत्री से पूछा कि उनके बीच आकर उन्हें कैसा महसूस हो रहा है, जिस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता और आत्मिक संतोष का अनुभव हो रहा है। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती और दिव्यांग बच्चे अपनी लगन, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर समाज में नई पहचान स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके सपनों, रुचियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

# सुकमा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ

**कलेक्टर, एसपी और नगर पालिका अध्यक्ष ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक**

**सुकमा।** राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 जून 2026 को पूरे भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के रूप में शुरू हुआ। इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जा रही हैं ताकि भारत को पोलियो-मुक्त रखा जा सके। स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आंगनवाड़ी केंद्र या सरकारी अस्पताल में जाकर अपने बच्चे को पोलियो की दवा दिलवा सकते हैं। सुकमा जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ आज उत्साहपूर्वक किया गया। कलेक्टर अमित कुमार और पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने मराईगुड़ा वन स्थित केंद्र में बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरुआत की। वहीं बस स्टैंड सुकमा में नगर पालिका अध्यक्ष हूंगाराम मरकाम ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्षद रंजीत बारठ, रमेश कर्मा, अनिल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, डॉ. प्रदीप पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफएवं अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिला टीकाकरण सुकमा अधिकारी ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 38,518 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अभियान 28 से 30 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। पहले दिन जिले के सभी पोलियो बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई जा रही है। दूसरे और तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी, जो पहले दिन किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 389 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। साथ ही 1,117 स्वास्थ्य कर्मियों और सहयोगी कर्मचारियों की तैनाती की गई है, ताकि जिले का कोई भी बच्चा पोलियो की जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। यह खुराक बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी और सुरक्षित उपाय है। इससे स्वस्थ एवं पोलियो-मुक्त समाज के निर्माण के राष्ट्रीय अभियान को भी मजबूती मिलेगी।

**देशव्यापी अभियान की शुरुआत के साथ नारायणपुर के अबूझमाड़ में नौनिहालों को पिलाई गई 'दो बूंद जिंदगी की', शत-प्रतिशत टीकाकरण का दिया संदेश**

# अबूझमाड़ से गूंजा स्वस्थ भारत का संकल्पः राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, मंत्री राजवाड़े ने बच्चों को पिलाई पोलियो रोधी खुराक



**नारायणपुर।** राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज देशभर में शुरू हुए विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से भी उत्साहपूर्वक हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया और अभिभावकों से अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी पर भारत ने प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'दो बूंद जिंदगी की' स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और अभियान में लगे सभी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेष रूप से अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में अभियान का प्रभावी संचालन सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुरक्षा और बच्चों के समग्र विकास को लेकर लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान भी इसी संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक बच्चे को पोलियो से सुरक्षित रखना है।

## सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

पल्स पोलियो अभियान के शुभारंभ के उपरांत मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें केंद्र में महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर में संकटग्रस्त महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे आश्रय, पुलिस सहायता, चिकित्सा सहायता, विधिक सहायता तथा मनोसामाजिक परामर्श जैसी समेकित सेवाएं प्रदान की जाती हैं। मार्च 2017 से 30 मई 2026 तक कुल 1,461 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1,423 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। मंत्री राजवाड़े ने केंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए महिलाओं को समयबद्ध एवं संवेदनशील सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिनें एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। जिले के शहरी जीऔर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर भी बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई जा रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका के अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, ग्राम पंचायत कंडारी की सरपंच कमली पोटाई जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, महिला बाल विकास के कार्यक्रम अधिकारी लुपेंद्र महिनाग उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

**बिलासपुर।** एसईसीएल के वसंत विहार स्थित वसंत क्लब में आज, दिनांक 27 जून 2026 को कोल माइन्स ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमओएआई) की एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी अधिकारियों के हितों के संरक्षण के साथ-साथ संगठन और कंपनी की प्रगति में सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के अध्यक्ष श्री आशीष त्यागी, उपाध्यक्ष श्री तिलकराज एवं श्री अजय पंडित, महासचिव श्री आलोक खुल्हर, संयुक्त महासचिव डॉ. अनु नेहा एवं डॉ. सुमित कृष्णन, कोषाध्यक्ष श्री अनुप रहाटे तथा संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री अजय गुप्ता ने अपने-अपने पदों की शपथ ग्रहण की। उल्लेखनीय है कि सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के चुनाव की प्रक्रिया के अंतर्गत 6 जून 2026 को एसईसीएल मुख्यालय तथा 7 जून 2026 को विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों में मतदान संपन्न हुआ था। इसके उपरांत 8 जून 2026 को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे। शपथ ग्रहण समारोह में एसईसीएल के अधिकारीगण एवं सीएमओएआई के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

### ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का बड़ा बयान,फर्जी रजिस्ट्री और धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित पक्ष के साथ खड़ी है कांग्रेस पार्टी,अगर कार्यवाही नहीं हुई तो कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

**बिलासपुर।** कुछ दिनों पूर्व लखनपुर विकासखंड के ग्राम चाँदो में आदिवासी मस्त राम मझवार के 3 एकड़ ज़मीन के फर्जी तरीके से रजिस्ट्री मामले में लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित सिंहदेव का बड़ा बयान सामने आया है जहाँ ब्लॉक अध्यक्ष अमित सिंहदेव ने

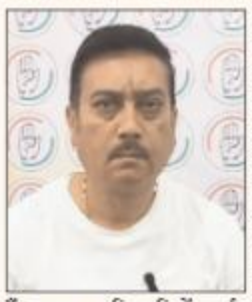

साफ़ तौर पर कहा है कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित पक्ष के साथ है तथा हर संभव प्रयास कांग्रेस पार्टी के द्वारा पीड़ित के लिए किया जाएगा। सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश में जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है लगातार शासकीय ज़मीन अधिग्रहण,फर्जी ख़रीद बिक्री सहित ज़मीन संबंधी कई मामले मीडिया के माध्यम से लगातार सामने आ रहे हैं।राजस्व अधिकारियों कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल पूछने पर सिंहदेव ने कहा की अगर इन मामलो में राजस्व के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका है तो उन्हें तुरंत बदला जाना चाहिए या फिर उनके खिलाफकार्यवाही होनी चाहिए। ब्लॉक अध्यक्ष ने अपने प्रतिक्रिया में यह बात भी सुनिश्चित की अगर चांदो ग्राम के पीड़ित व्यक्ति के मामले में कलेक्टर सरगुजा या पुलिस प्रशासन कोई पहल नहीं करते हैं तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और जिला कांग्रेस कमेटी मिलकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी और पीड़ित को न्याय नहीं मिल जाने तक अपना उग्र प्रदर्शन जारी रखेगी। विदित हो कि जनवरी माह में मस्त राम पट्टे की भूमि को जमीन दलाल कयामुद्दीन अंसारी 1एकड़ का सौदा कर पंकज लकड़ा और उसकी पत्नी नेहा लकड़ा के साथ मिलकर 1एकड़ की जगह तीन एकड़ जमीन फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करा ली और पीड़ित को 1लाख रुपए दिए गए ग्रामीण को जानकारी होने पर कलेक्टर, सरगुजा रेंज आईजी,पुलिस अधीक्षक शिकायत का न्याय की गुहार लगाई। परंतु कोई महावीर जाने के बाद भी ग्रामीण को न्याय नहीं मिल सका।

### अग्निशमन वाहन विलंब से पहुंचने पर कलेक्टर के निर्देश पर 5 कर्मचारी हुए निलंबित

बलरामपुर, कन्या हायर सकेण्डरी विद्यालय बलरामपुर के नजदीक स्थित एक मकान में आग लगने की सूचना स्थानीय निवासियों द्वारा फायर ब्रिगेड हेतु दी गई थी। सूचना मिलते ही अग्निशमन वाहन घटनास्थल पर विलंब से पहुंचा और वाहन में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं था। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद वाहन में पानी भरने की प्रक्रिया शुरू की गई । जिससे आग बुझाने के कार्य में अनावश्यक विलंब हुआ और आग पर नियंत्रण पाने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगा।

# श्री जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथ यात्रा की तैयारियों को लेकर श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति एवं उत्कल समाज की संयुक्त बैठक संपन्न

**अम्बिकापुर।** आगामी श्री जगन्नाथ महाप्रभु की पावन एवं भव्य रथ यात्रा के सफल आयोजन को लेकर श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति एवं उत्कल समाज की संयुक्त बैठक श्रद्धा, उत्साह एवं धार्मिक वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में रथ यात्रा से जुड़े समस्त धार्मिक अनुष्ठानों, सेवा कार्यों, व्यवस्थाओं, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा विभिन्न समितियों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया कि इस वर्ष की रथ यात्रा को भव्य, दिव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। आयोजन को भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की प्राचीन परंपराओं एवं वैदिक रीति-रिवाजों के अनुरूप संपन्न कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने और आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया गया। श्री जगन्नाथ महाप्रभु के प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रम भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं माता सुभद्रा का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य 108 पवित्र कलशों से महाभिषेक किया जाएगा। स्नान के उपरांत भगवान भक्तों को गजानन (गणेश) स्वरूप में दिव्य दर्शन देंगे। 30 जून से 14 जुलाई अनसर काल (देव विश्राम) स्नान यात्रा के उपरांत परंपरा अनुसार भगवान विश्राम करेंगे। इस अवधि में मंदिर के पट बंद रहेंगे तथा प्रत्यक्ष दर्शन नहीं होंगे। 14 जुलाई नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन अनसर काल पूर्ण होने के पश्चात भगवान के नवीन, तेजस्वी एवं दिव्य स्वरूप के प्रथम दर्शन भक्तों को प्राप्त होंगे, जिसे नवयौवन दर्शन कहा जाता है। 15 जुलाई उमा यात्रा एवं रथ आज्ञामाला बीजे इस दिन श्री मंदिर की प्राचीन

परंपरा के अनुसार रथ यात्रा के शुभारंभ की विधिवत आज्ञा प्रदान की जाएगी तथा विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। 16 जुलाई श्री गुंडीचा यात्रा (भव्य रथ यात्रा) भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं माता सुभद्रा सुसज्जित एवं अलंकृत रथों में विराजमान होकर नगर भ्रमण करते हुए श्री गुंडीचा मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु श्रद्धा एवं भक्ति के साथ रथ खींचकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पूरा नगर जय जगन्नाथ के जयघोष से गुंजायमान होगा। बैठक में सभी सदस्यों ने निर्णय लिया कि भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की रथ यात्रा को श्रद्धा, सेवा, अनुशासन एवं जनसहभागिता के माध्यम से ऐतिहासिक बनाया जाएगा। समिति ने नगर के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं श्रद्धालुओं से इस पावन आयोजन में सपरिवार सहभागिता निभाने का आग्रह किया। बैठक में प्रमुख रूप से मनोज कंसारी, अशोक सामल, लव कुशवाहा, राजू कंसारी, उमेश मिश्रा, विनोद कंसारी, संतोष कंसारी, कृष्ण कंसारी, ननकू, जगदीश गुप्ता, राहुल सिंह, जेना जी, गोलू यादव, विनोद मिश्रा, राजा पंडा, सौरभ, आलोक, अभिमन्यु, गिरधारी, भृगु कंसारी सहित श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति एवं उत्कल समाज के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## जिला टीकाकरण अधिकारी स्वयं उतरे पल्स पोलियो अभियान में, घर-घर पहुंचकर बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

**सूरजपुर संवाददाता/** पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला टीकाकरण अधिकारी ने स्वयं स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर घर-घर जाकर 05 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस दौरान उन्होंने टीमों के कार्यों का निरीक्षण किया तथा अभियान की प्रगति का जायजा लिया। जिला टीकाकरण अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 05 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि हर बच्चे तक पोलियो की दवा पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को हर

बार पोलियो की खुराक दिलाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घरों पर टीमों द्वारा किए जा रहे चिन्हांकन (मार्किंग) का भी अवलोकन किया तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के साथ-साथ अभिभावकों को नियमित टीकाकरण एवं पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक भी किया। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी कारणवश कोई बच्चा पोलियो की खुराक लेने से वंचित रह गया हो, तो निकटतम स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क कर उसे अवश्य पोलियो की दवा पिलाएं।

## अदाणी दिवस पर पीईकेबी एवं पीसीबी खदान क्षेत्रों में रक्तदान एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन....

**अंबिकापुर।** अदाणी समूह के अध्यक्ष श्री गौतम अदाणी के जन्मदिवस के अवसर पर 'अदाणी दिवस' के तहत पीईकेबी एवं पीसीबी खदान क्षेत्रों में रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खनन परियोजना के कर्मचारियों, स्थानीय समुदाय एवं सहयोगी संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान शिविर में खनन परियोजना के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 472 यूनिट रक्तदान किया। यह रक्त क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपयोगी रहेगा। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए पीईकेबी परियोजना क्षेत्र में 11.293 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 28,231 पौधों का रोपण किया गया। कुल 300 लोगों ने जरूरतमंदों की सहायता और

पौधारोपण में भाग लिया। स्थानीय जलवायु के अनुरूप पौधों का चयन कर हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में कार्य किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रतिनिधि ने कहा, अदाणी दिवस पर आयोजित रक्तदान एवं वृक्षारोपण अभियान समाज और पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। रक्तदान के माध्यम से वृक्षारोपण के जरिए हरित भविष्य की दिशा में यह हमारा सामूहिक प्रयास है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अदाणी समूह के कर्मचारियों, प्रबंधन, स्थानीय समुदाय, उद्यानिकी टीम, खनन विभाग एवं प्रशासनिक इकाइयों का योगदान रहा। साथ ही जैन पाइप ट्रेडर्स, गंगा सागर चौबे, एमएम सेल्स तथा खनन संविदाकारों ने भी सहयोग प्रदान किया।

## तलाकशुदा पत्नी से मिलने फिर घर पहुंचा पूर्व पति...

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तलाक के बाद भी पूर्व पत्नी का पीछा करने और उसे धमकाने का चैंकाने वाला मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित हंड्रेड बेड कॉलोनी में आरोपी युवक अपनी पूर्व पत्नी के घर पहुंचा, विवाद किया, थप्पड़ मारा और एयर गन को असली पिस्टल बताकर डराने का प्रयास किया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और उसके मामा को गिरफ्तार कर लिया। नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) प्रतीक चतुर्वेदी के मुताबिक, बिलासपुर निवासी सतीश कश्यप और पीड़िता ने करीब एक वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। हालांकि, वैवाहिक जीवन में विवाद बढ़ने के बाद दोनों ने अदालत के माध्यम से कानूनी तौर पर तलाक ले लिया था। पुलिस के अनुसार, तलाक के बाद भी आरोपी लगातार पूर्व पत्नी से मिलने और विवाद करने उसके घर पहुंचता रहा। पीड़िता चिकित्सा विभाग में कार्यरत है और अपने पिता के साथ हंड्रेड बेड कॉलोनी में रहती है। महिला के पिता ने बताया कि कुछ दिन पहले आरोपी अपनी मां और मामा के साथ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने घर आया था। बाद में सभी वहां से चले गए, लेकिन सतीश दोबारा घर पहुंच गया। उस समय महिला खुद को कमरे में बंद किए हुए थी। आरोपी उससे मिलने की जिद करता रहा। जब महिला बाहर आई तो उसने कथित तौर पर उसे थप्पड़ मार दिया, जिससे विवाद बढ़ गया। विवाद के दौरान आरोपी ने अपने पास मौजूद एयर गन निकालकर उसे असली पिस्टल बताया और महिला को डराने-धमकाने लगा।

## एसईसीएल के निदेशक ( मानव संसाधन ) श्री बिरंची दास को एमसीएल के निदेशक ( मानव संसाधन ) का अतिरिक्त प्रभार..

**बिलासपुर।** भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, माननीय केंद्रीय कोयला मंत्री की स्वीकृति से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास को महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के निदेशक (मानव संसाधन) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह प्रभार 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर छह माह अथवा नियमित निदेशक (मानव संसाधन) की नियुक्ति अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा। श्री बिरंची दास ने 20 मार्च 2024 को एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) का कार्यभार ग्रहण किया था। लगभग तीन दशक के समृद्ध अनुभव वाले श्री दास ने अपने कार्यकाल में मानव संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक संबंधों, कर्मचारी कल्याण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। उनके नेतृत्व में एसईसीएल की प्रमुख सीएसआर पहल एसईसीएल की धड़कन के अंतर्गत जन्मजात

हृदय रोग से पीड़ित 300 बच्चों की सफल हृदय शल्य चिकित्सा पूर्ण की जा चुकी है। वहीं एसईसीएल के सुश्रुत योजना के दो बैच सफलतापूर्वक पूर्ण हुए हैं। यह देश के किसी भी कोयला सार्वजनिक उपक्रम की पहली योजना बनी जिसे भारत सरकार के डीबीटी पोर्टल पर सूचीबद्ध किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में उनके कार्यकाल के दौरान वित्तीय वर्ष 2024-25 से अब तक 1,623 से अधिक भू-स्वामियों तथा 946 आश्रितों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त कर्मचारी कल्याण, औद्योगिक संबंधों एवं संगठनात्मक विकास की दिशा में अनेक नवाचार एवं कर्मचारी हितैषी पहलें सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। श्री बिरंची दास ने अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1994 में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के तालचेर क्षेत्र स्थित देउलबेरा कोलियरी में वेलफेयर ऑफिसर (प्रशिक्षु) के रूप में की थी। उन्होंने उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा से पर्सोनल मैनेजमेंट एवं इंडस्ट्रियल रिलेशंस विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। एमसीएल में अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान उन्होंने औद्योगिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने, गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के आवास आवंटन नियमों तथा विभिन्न मानव संसाधन नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान में श्री बिरंची दास छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड एवं छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड के निदेशक मंडल के सदस्य भी हैं।

## 45 वर्षीय व्यक्ति की संदेहास्पद तरीके से इलाज के दौरान हुई मृत्यु

- अंतिम संस्कार के समय शरीर में चोट और मारपीट की जानकारी के बाद मामला पहुंचा पुलिस थाने
- मारपीट से मौत की जताई जा रही आशंका

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम तिरकेला ठेपापारा से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की संदेहास्पद स्थिति में मृत्यु होने की बात निकलकर सामने आई है जहाँ अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान व्यक्ति की मृत्यु हो गई। बिना पोस्टमार्टम को ग्रह ग्राम लाया गया जहां अंतिम संस्कार के दौरान शरीर में चोट के निशान दिखने और मारपीट की जानकारी होने पुलिस चौकी पहुंचे और घटना की जानकारी दी वहीं पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया गया है।वहीं मामले में सूचनाकर्ता व्यक्ति के किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा मारपीट की आशंका जतायी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुरा मामला लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम तिरकेला के ठेपापारा का है जहाँ एक 45 वर्षीय व्यक्ति कामेश्वर मझवार पिता बंधु मझवार की तबियत ज्यादा खराब होने पर उसे पहले लखनपुर इलाज के लिए लाया गया था जिसके बाद स्थति गंभीर होने के कारण उसे चिकित्सकों के द्वारा अंबिकापुर रेफर कर दिया गया था जहाँ 27 जून को क़रीब 04 बजे व्यक्ति की संदेहास्पद स्थिति में मृत्यु हो गई। जिसके बाद पूरे मामले की जानकारी कुन्नी चौकी में दर्ज करायी गई जिसके बाद सारा मामला अब लखनपुर पुलिस के हाथों में है तथा लखनपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर व्यक्ति की संदेहास्पद मृत्यु के बाद कुछ विश्वसनीय सूत्रों की माने तो कुछ दिनों पहले मृतक का शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर अपने ही भाई के साथ विवाद हुआ था जिसमें दोनों के बीच लड़ाई में मृतक को अंदरूनी चोंटे आई थी जिसके बाद व्यक्ति

को इलाज के लिए लखनपुर लाया गया था जहाँ डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए मृतक को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफ़र किया था जहाँ उसकी मृत्यु हो गई। अब मामले में सच्चाई क्या है यह तो पुलिस की जाँच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फ़िलहाल पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर मामले की तफ्तीश की जा रही है।

### खनिज विभाग कोरबा ने सघन अभियान चला 14 जगह मारा छापा

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में अवैध उत्खनन परिवहन व भण्डारण पर प्रतिबंध लगाने के लिए शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गठित चार खनिज जांच दलों ने जिले के संदिग्ध स्थानों सीतामढ़ी, बरमपुर, कपाटमुडा, सरईसिंगार, कुचना मोड़, बरबसपुर, कटबिटला, भैसामुडा, राहडी, मुनगड़ी, आमाखोखरा, कसानिया, लखनपुर, धवईपुर सहित अन्य स्थानों पर छापा मारकर सघन जांच की। जिस दौरान बरमपुर तथा पाली में रेत का अवैध परिवहन कर रहे एक टीपर और एक ट्रेक्टर पर कार्यवाही करते हुए जप्त कर हरदीबाजार थाना तथा पाली थाना की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

## बालको की वजह से क्षेत्र का संपूर्ण विकास संभव लखन लाल देवांगन

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा सिविक सेंटर स्थित नवीनीकृत जुबली पार्क का लोकार्पण छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया। उद्घाटन समारोह में कोरबा नगर निगम की महापौर संजू देवी राजपूत, बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह, वार्ड 43 पार्षद हितानंद अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, बालको के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। 'बालको की यह विकास यात्रा पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थापित करेगा।' अतिथियों ने पार्क का भ्रमण कर विकसित की गई आधुनिक सुविधाओं, बच्चों के मनोरंजन क्षेत्र, वरिष्ठ नागरिकों के विश्राम स्थल, हरित परिसर एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय के सदस्यों ने बालको द्वारा नागरिक अधोसंरचना एवं हरित सार्वजनिक स्थलों के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की। मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, नवीनीकृत जुबली पार्क हरित वातावरण, योग एवं वॉकिंग ट्रैक तथा बच्चों के लिए विकसित आकर्षक सुविधाओं के माध्यम से सभी आयु वर्ग के लोगों को लाभान्वित करेगा।

## किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

**गायत्री मंत्र एक महत्वपूर्ण मंत्र है। इसे वेदों का नेत्र भी कहा जाता है। यह मंत्र सृष्टि के रचयिता, सविता देवता की स्तुति करता है। गायत्री मंत्र का उच्चारण करने से व्यक्ति में ज्ञान, बुद्धि और तेज बढ़ता है। यह मंत्र मन को शांत करता है और आत्मिक उन्नति में सहायक होता है।**

गायत्री मंत्र का शाब्दिक अर्थ है गायत्री छंद में रचा गया मंत्र। इस मंत्र का अर्थ बहुत गहरा और रहस्यमय है। इसे पूरी तरह से समझने के लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है। सनातन धर्म में इस मंत्र को सर्वोपरि माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। साथ ही अक्षय फल की भी प्राप्ति होती है। गायत्री मंत्र सौभाग्यशाली मंत्र माना जाता है। इस मंत्र का उच्चारण मात्र ही जातक को सभी परेशानियों सा छुटकारा मिल जाता है। साथ ही जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में अगर आप गायत्री मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो किस दिशा में मुख करके पढ़ने से लाभ हो सकता है।

### किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

गायत्री मंत्र का जाप पूर्व दिशा की ओर मुख करके करना चाहिए। पूर्व दिशा को सूर्योदय की दिशा माना जाता है और सूर्य को देवताओं का देवता माना जाता है। इसलिए, पूर्व दिशा में मुख करके जाप करने से सूर्यदेव की कृपा प्राप्त होती है। उत्तर दिशा को भी गायत्री मंत्र जाप के लिए शुभ मानते हैं। उत्तर दिशा को ज्ञान और शांति की दिशा माना जाता है।

### गलत दिशा में बैठकर न करें गायत्री मंत्र का जाप

शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र का जाप करते समय आपको दिशा का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। यदि आप सुबह इस मंत्र का जाप कर रहे हैं तो इसे पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके पढ़ें। ऐसा इसलिए अच्छा माना जाता है क्योंकि सूर्य इसी दिशा से निकलता है और इस दिशा की तरफ बैठकर जाप करने से गायत्री मंत्र के साथ सूर्य की पूर्ण ऊर्जा भी घर में प्रवेश करती है।

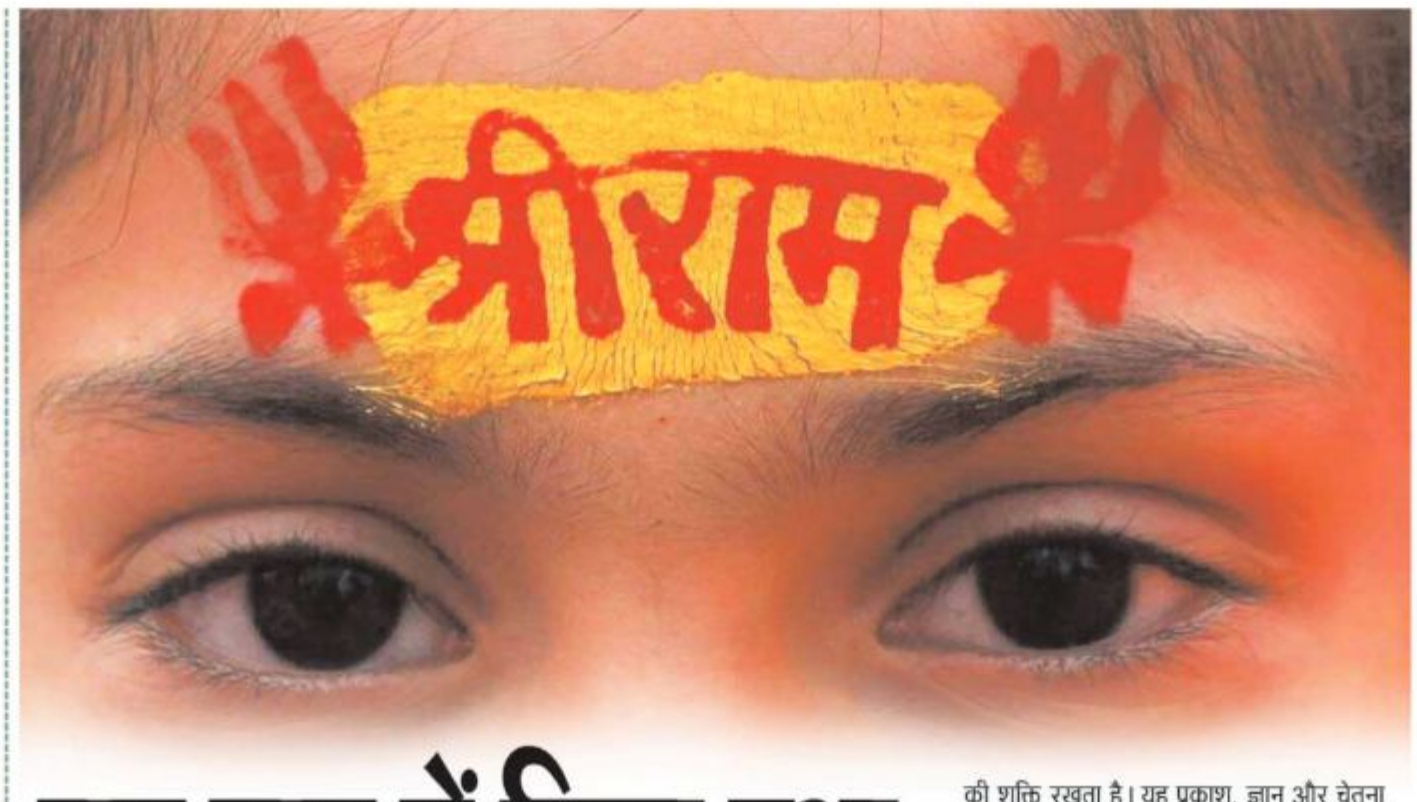


# राम नाम में छिपा हुआ है आलौकिक रहस्य

**राम नाम है तो भले ही दो अक्षर का, लेकिन इसका अर्थ बहुत गहरा है। राम सिर्फ एक नाम नहीं है बल्कि इस दो अक्षर वाले नाम के पीछे आलौकिक रहस्य छिपा हुआ है। ऐसे में आइये जानते हैं राम नाम का अर्थ क्या है।**

भगवान श्री राम का यह नाम तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता हा कि इस नाम का अर्थ है। राम नाम है तो भले ही दो अक्षर का, लेकिन इसका अर्थ बहुत गहरा है। राम सिर्फ एक नाम नही है बल्कि इस दो अक्षर वाले नाम के पीछे आलौकिक रहस्य छिपा हुआ है। ऐसे में आइये जानते हैं राम नाम का अर्थ क्या है।

### श्री राम नाम का क्या मतलब होता है?

राम शब्द भारतीय संस्कृति और धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र नाम है। यह न केवल भगवान विष्णु के सातवें अवतार, मर्यादा पुरुषोत्तम राम का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि इसका गहरा आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ भी है। सरल शब्दों में कहें तो राम नाम एक ऐसा बीज मंत्र है जिसमें ब्रह्मांड की सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति समाहित है। व्याकरण की दृष्टि से देखें तो राम शब्द दो अक्षरों से मिलकर बना है - रा और म। प्रत्येक अक्षर का अपना विशेष महत्व है। रा अक्षर अग्नि तत्व का प्रतीक है और यह हमारी नकारात्मक ऊर्जा, पापों और अज्ञान को जलाने की शक्ति रखता है। यह प्रकाश, ज्ञान और चेतना का भी प्रतिनिधित्व करता है। सरी ओर, म अक्षर जल तत्व का प्रतीक है और यह शीतलता, शांति और अमृतत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यह स्थिरता, पोषण और रचनात्मकता का भी प्रतीक है।

इस प्रकार, राम नाम इन दो शक्तिशाली तत्वों का एक संयोजन है, जो विनाश और सृजन, गर्मी और शीतलता, ज्ञान और शांति के बीच संतुलन स्थापित करता है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, राम नाम को ब्रह्मांड की आत्मा माना जाता है। यह वह ध्वनि है जो हर जीव और निर्जीव में व्याप्त है। कुछ आध्यात्मिक परंपराओं में राम नाम को अनाहत नाद या दिव्य ध्वनि के रूप में भी देखा जाता है, जो सृष्टि की शुरुआत से ही गूंज रही है। इस नाम का जाप करने से व्यक्ति अपने अंतरतम सत्य और ब्रह्मांडीय चेतना से जुड़ सकता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के संदर्भ में, राम नाम उनके गुणों और आदर्शों का प्रतीक बन गया है। वे सत्य, धर्म, न्याय, करुणा और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मर्यादा और नैतिक मूल्यों का पालन कैसे किया जाए। इसलिए, राम नाम का स्मरण न केवल भगवान के प्रति भक्ति व्यक्त करता है, बल्कि उनके गुणों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा भी देता है।

संक्षेप में, राम नाम मात्र एक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक शक्तिशाली मंत्र है जिसमें आध्यात्मिक गहराई, दार्शनिक अर्थ और नैतिक प्रेरणा समाहित है। यह नकारात्मकता को दूर करने, सकारात्मकता को आकर्षित करने, मानसिक शांति प्राप्त करने और आध्यात्मिक विकास की ओर बढ़ने में सहायक है। यह भगवान राम के दिव्य स्वरूप और उनके उदात्त गुणों का स्मरण कराता है और हमें एक धार्मिक और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

# नारद घाट जहां स्नान करने से टूट जाते हैं पारिवारिक रिश्ते

हिन्दू धर्म शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि किसी भी पवित्र नदी के घाट पर स्नान करने से जीवन के दुखों का नाश होता है और सुखों की प्राप्ति होती है। विशेष तौर पर गंगा स्नान करने से पाप मिट जाते हैं और पुण्यों में वृद्धि होती है, लेकिन ज्योतिषाचार्य ने हमें एक ऐसे घाट के बारे में बताया जहां अगर एक परिवार के लोग साथ में स्नान कर लें तो पारिवारिक क्लेश जन्म ले लेता है और रिश्तों में दरार आ जाती है। आइये जानते हैं कौन सा है ये घाट और क्या है इससे जुड़ी इस मान्यता के पीछे का सत्य।

किस घाट पर स्नान करने से परिवार में क्लेश पैदा होता है?

शास्त्रों में गंगा घाट का बहुत महत्व माना गया है। बनारस में गंगा किनारे 84 घाट मौजूद हैं। हर घाट का अपना महत्व और रहस्य है। इन्हीं में से एक है नारद घाट। नारद घाट को लेकर ऐसा कहा जाता है कि यहां स्नान करने से पारिवारिक रिश्ते टूट जाते हैं। यानी कि पति-पत्नी, सास-बहु, नंद-भाभी, भाई-बहन आदि साथ में स्नान करें तो रिश्तों में दरार आ जाती है। नारद घाट को लेकर प्रचलित धारणा कहती है कि चूंकि नारद जी का स्वभाव इधर की बात उधर करने का था जिससे दैत्यों और देवताओं में युद्ध छिड़ जाता था, इसी कारण इस घाट पर स्नान करने से वही प्रभाव लोगों के जीवन में भी नजर आता है। हालांकि, नारद घाट सिर्फ एक घाट नहीं है बल्कि यहां प्राचीन शिवलिंग स्थापित है जिसे स्वयं नारद जी ने विराजित किया था।

नारद घाट पर मौजूद शिवलिंग को नारदेश्वर शिव के नाम से जाना जाता है। दरअसल, शास्त्रों में बताया गया है कि नारद जी ब्रह्मचारी थे। इसी स्थान पर उन्होंने पहली बार भगवान विष्णु के बजाय भगवान शिव की तपस्या की थी और शिवलिंग की स्थापना की थी। तब भगवान शिव ने उन्हें यह आशीर्वाद दिया था कि नारद घट पर स्नान करने वाले को आध्यात्मिक बल प्राप्त होगा।

तभी से यह परंपरा शुरू हुई कि बनारस में मौजूद नारद घाट साधु-संतों के लिए उत्तम स्थान है गंगा स्नान और तप हेतु एवं चूंकि यहां संत स्नान के लिए आएंगे ऐसे में गृहस्थियों का इस घाट पर स्नान करना उचित नहीं है। हालांकि बाद में इस तथ्य को एक लोक धारणा बना दिया गया और उसे पारिवारिक क्लेश के साथ जोड़ दिया गया जो कि पूर्णतः गलत है और शास्त्र विरुद्ध है।

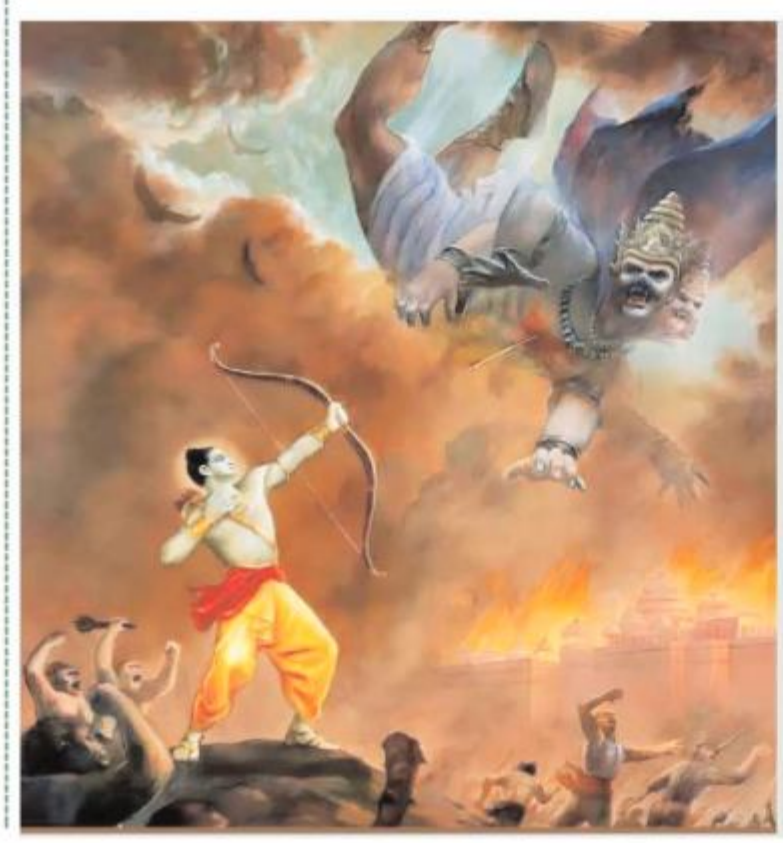

# श्री राम ने रावण को 32 बाण ही क्यों मारे थे

रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि मृत्यु बाण के प्रयोग से पहले श्री राम ने रावण को 32 बाण मारे थे। आखिर क्या है इन 32 बाणों का रहस्य और क्यों श्री राम ने न कम न ज्यादा, ठीक 32 बाणों से ही रावण पर प्रहार किया।

रामायण से जुड़े ऐसे कई रहस्य हैं जो बेहद रोचक और गुप्त हैं। इन्हीं में से एक है 32 बाणों का रहस्य। यमराज ने रावण के नाम का एक बाण बनाया जिसे आघात से रावण की मृत्यु होनी तय थी। इसलिए उस बाण का नाम मृत्यु बाण पड़ा। हालांकि रावण ने इसे चुरा लिया था ताकि वह अपनी मृत्यु को टाल सके, लेकिन हनुमान जी ने इस बाण को रावण की लंका से लेजाकर श्री राम को सौंप दिया था। इसके बाद युद्ध के दौरान श्री राम ने रावण पर इसी मृत्यु बाण का प्रयोग कर उसका वध किया था। मगर, रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि मृत्यु बाण के प्रयोग से पहले श्री राम ने रावण को 32 बाण मारे थे। आखिर क्या है इन 32 बाणों का रहस्य और क्यों श्री राम ने न कम न ज्यादा, ठीक 32 बाणों से ही रावण पर प्रहार किया।

### श्री राम ने रावण को क्यों मारे थे 32 बाण?

लंकापति रावण सभी वेदों, पुराणों, ग्रंथों, महाकाव्यों आदि का ज्ञाता था। रावण को हर प्रकार की पूजा पद्धति के बारे में गहराई तक जानकारी थी। सामान्य पूजा-पाठ से लेकर यज्ञ-अनुष्ठान तक रावण को सभी विधियों के बारे में ज्ञात था। इसी कारण से रावण को परम ज्ञानी कहा जाता है। रावण जितना ज्ञानी था उतना ही बड़ा भक्त भी। रावण ने भगवान शिव के लिए शिव स्तुति स्तोत्र की रचना की थी। रावण भगवान शिव शंकर महादेव का अनन्य भक्त था, लेकीन अपनी परम भक्ति और असीमित ज्ञान के कारण लंकेश रावण में अहंकार भी भयंकर रूप से विद्यमान था। रामायण में उल्लेख मिलता है कि भक्ति और ज्ञान के कारण रावण के भीतर 32 गुण संचालित थे लेकिन मात्र 4 अवगुणों के प्रभाव के कारण रावण ने न सिर्फ जीवन भर अधर्म किया बल्कि स्त्री का मान भंग करने जैसा जघन्य अपराध भी किया था। रावण के अवगुण उसके गुण पर हावी थे। इन्हीं गुणों को उसकी मृत्यु से पहले नष्ट करने के लिए श्री राम ने 32 बाण चलाये थे। शास्त्रों में यह बताया गया है कि किसी भी पापी की मृत्यु का जब समय आता है तो उसके गुणों का नाश होने लग जाता है। श्री राम ने रावण के इन्हीं 32 गुणों का नाश कर उसे अंत में मृत्यु प्राप्त कराई थी।

# पूजा घर में पानी रखना क्यों है जरूरी

**पूजा कक्ष में पानी क्यों रखते हैं? सभी घरों में पूजाघर होता है, जहां पर पूजन सामग्री के अलावा शंख, गरुढ़ घंटी, कौड़ी, चंदन बट्टी, तांबे का सिक्का, आचमन पात्री, गंगाजल और पानी का लोटा भी रखा जाता है। लोटा नही तो जल कलश रखते हैं। आखिर पूजा घर में यह पानी क्यों रखा जाता है। क्या है इसका कारण?**

### पवित्रता

प्रतिदिन पूजा के पूर्व हम जल से भगवान के विग्रह को स्नान कराने के बाद स्थान पर जल छिड़ककर उसे पवित्र करते हैं। इसीलिए जल की आवश्यकता हेतु एक लोटे में पानी रखा जाता है।

### वरुण देव

जिस तरह गुरुड़देव की स्थापना गरुड़ घंटी के रूप में कि जाती है उसी प्रकार वरुण देव की स्थापना जल के रूप में की जाती है। ऐसा करने का कारण यह है कि जल की पूजा वरुण देव के रूप में होती है और वही दुनिया की रक्षा करते है।

### तुलसी जल

पूजा घर में रखे जल में तुलसी के कुछ पत्ते डाल कर रखे जाते हैं जिसके चलते वह जल शुद्ध एवं पवित्र होने के साथ ही आचमन योग बन जाता है और इसी से जब हम पूजा स्थल को शुद्ध करते हैं तो देवी एवं देवता प्रसन्न होते हैं।

### नैवद्य

नैवेद्य हम प्रतिदिन पूजा के बाद भगवान को प्रसाद अर्पण करते हैं जिसे नैवद्य कहते हैं। नैवद्य में मिठास या मधुरता होती है। आपके जीवन में मिठास और मधुरता होना जरूरी है। देवी और देवता को नैवद्य लगाते रहने से आपके जीवन में मधुरता, सौम्यता और सरलता बनी रहेगी। फल, मिठाई, मेवे और पंचामृत के साथ नैवेद्य चढ़ाया जाता है। नैवेद्य अर्पित करने के बाद भगवान को जल अर्पण करने के लिए ही पूजा घर में पानी रखा जाता है।

### जल की स्थापना

पूजा घर या उत्तर एवं ईशान कोण में जल की स्थापना करने से घर में सुख एवं समृद्धि बनी रहती है। इसलिए पूजा घर में जल की स्थापना की जाती है। पूजा के स्थान पर तांबे के बर्तन में जल रखते हैं तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार जल रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

### आरती

जब हम आरती करते है उसके बाद आरती की थाली पर थोड़ा सा जल लागकर आरती को ठंडा किया जाता है। इसके बाद चारों दिशाओं में और सभी व्यक्तियों पर जल का छिड़काव किया जाता है। इसके बाद सभी को चरणामृत प्रदान करके प्रसाद देते हैं। इसलिए भी जल को पूजाघर में रखा जाता है।

# विधायक दीपेश साहू ने किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

बेमेतरा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस के अवसर पर रविवार को 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु (एमसीएच) अस्पताल, बेमेतरा में जिला स्तरीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक दीपेश साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद जिंदगी की पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया तथा जिलेवासियों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की। कार्यक्रम में जिला भाजपा प्रभारी राजेन्द्र शर्मा, पार्षद सुनीतु कोठारी, गौरव साहू, निखिल साहू, चांदनी रोशन दत्ता, रवि मुलवानी, महेश साहू, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू, नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. राज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुलता बंजारे, आरएमएनसीएच सलाहकार, एनसीडी डाटा मैनेजर, आईडीएसपी, वीबीडीटीएस सुपरवाइजर, जिला मीडिया प्रभारी संजय तिवारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 96,085 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में 801 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं तथा 14 ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस के रूप में सभी निर्धारित केंद्रों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। वहीं 29 एवं 30 जून को अभियान के दौरान छूटे हुए बच्चों तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर पोलियो की खुराक उपलब्ध कराएंगी, ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भारत ने पोलियो जैसी गंभीर बीमारी पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की निरंतर सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सभी माता-पिता एवं अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाएं। कोई भी बच्चा इस अभियान से छूटना नहीं चाहिए। विधायक साहू ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं तथा जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से अभियान को सफल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सशक्त बनाया जा रहा है और टीकाकरण अभियान बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जिलेवासियों से आह्वान किया कि वे स्वयं तो अपने बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाएं ही, साथ ही अपने आसपास के परिवारों को भी जागरूक करें, जिससे बेमेतरा का कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर से लेकर बूथ स्तर तक निगरानी एवं निरीक्षण हेतु अधिकारियों की टीम गठित की गई है। अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि सभी लक्षित बच्चों तक समय पर पोलियो की खुराक पहुंचाई जा सके। उन्होंने बताया कि इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, शिक्षा विभाग तथा मितानिन कार्यक्रम का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है। सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से अभियान को सफल बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, महामंत्री संदीप यादव, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष रेवाराम निषाद, करण साहू, रुद्राक्ष साहू, गोपी देवांगन, पिंकी नेमा गुप्ता, रोहित साहू, गौकरण साहू, वैभव तिवारी सहित जिला चिकित्सालय के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

# युवा नेतृत्व को मिली नई ताकत: आशु चंद्रवंशी बने भाजयुमो बोड़ला मंडल के महामंत्री

## युवाओं में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ

कवर्धा। भारतीय जनता पार्टी ने कबीरधाम जिले के बोड़ला मंडल में युवा नेतृत्व को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आशु चंद्रवंशी (आशाराम) को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) बोड़ला मंडल का महामंत्री नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के युवाओं में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ है। आशु चंद्रवंशी लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनकी पहचान एक समर्पित, कर्मठ और कुशल संगठनकर्ता के रूप में रही है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की, जहाँ बोड़ला नगर इकाई में नगर मंत्री एवं नगर उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए करीब पाँच वर्षों तक विद्यार्थियों और युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाया। शिक्षा के क्षेत्र में भी आशु चंद्रवंशी का सफर प्रेरणादायक रहा है। बीएससी के बाद उन्होंने समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर, एमएसडब्ल्यू, कंप्यूटर में डिग्री तथा साइकोलॉजिकल गाइडेंस एवं काउंसलिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया है। उच्च शिक्षा के साथ-साथ वे सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी निरंतर सक्रिय हैं।

एक प्रखर पत्रकार होने के साथ-साथ वे एनजीओ के माध्यम से किसानों, ग्रामीण विकास और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रीय विचारधारा के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण ने उन्हें क्षेत्र में एक मजबूत पहचान दिलाई है। एक सक्रिय राष्ट्रवादी कार्यकर्ता के रूप में वे सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। नियमित रक्तदान, वृक्षारोपण और समाजहित के कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भागीदारी सदैव देखने को मिलती है राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर कुसुमघटा मंडल में आयोजित हिंदू सम्मेलन के संयोजक के रूप में उन्होंने हजारों लोगों को एक मंच पर जोड़ने का सफल कार्य किया। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं युवाओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आशु चंद्रवंशी के अनुभव, नेतृत्व क्षमता और वैचारिक स्पष्टता का लाभ बोड़ला मंडल के प्रत्येक कार्यकर्ता और युवा को मिलेगा।

आशु चंद्रवंशी ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य बोड़ला मंडल के प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत करना और अंतिम पंक्ति के युवा को मुख्यधारा से जोड़ना है।

# 1.20 लाख के हैंडपंप निर्माण में भारी लापरवाही, ऊंचे चबूतरे ने खोली पोल

कवर्धा। कबीरधाम जिले केजनपद पंचायत पंडरिया के ग्राम पंचायत मलकछरा में 15वें वित्त आयोग के तहत कराए गए बोर खनन एवं हैंडपंप निर्माण कार्य ने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कागजों में यह कार्य ग्रामीणों को पेयजल सुविधा देने के उद्देश्य से कराया गया, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह कार्य प्रहलाद धुर्वे के घर के पास कराया गया है, जिसकी स्वीकृत राशि 1.20 लाख रुपए बताई गई है। कार्य प्रारंभ तिथि 20 मार्च 2026 और पूर्णता तिथि 20 अप्रैल 2026 दर्ज है। निर्माण एजेंसी के रूप में सरपंच एवं ग्राम पंचायत मलकछरा का नाम दर्ज है। स्थल के भौतिक निरीक्षण और उपलब्ध फोटो को देखने पर साफ प्रतीत होता है कि निर्माण कार्य में उपयोगिता से ज्यादा औपचारिकता दिखाई गई है। सबसे गंभीर सवाल हैंडपंप के नीचे बनाए गए चबूतरे को लेकर है। सामान्यतः हैंडपंप के पास ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया जाता है जिससे ग्रामीण आसानी से बाल्टी, गगरी, डिब्बा या अन्य बर्तन रखकर पानी भर सकें, लेकिन यहां स्थिति बिल्कुल उलट नजर आती है।

फोटो में स्पष्ट दिख रहा है कि हैंडपंप के नीचे बना चबूतरा जरूरत से ज्यादा ऊंचा और अत्यधिक मोटा है। इसकी बनावट ऐसी है कि छोटे नल के नीचे बर्तन ठीक से रखा ही नहीं जा सकता। यदि कोई ग्रामीण पानी भरने की कोशिश करे तो उसे बर्तन हाथ में पकड़कर रखना पड़ेगा, जो विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए असुविधाजनक ही नहीं बल्कि जोखिम भरा भी है। छोटे बर्तनों के फिसलने और गिरने की संभावना भी बनी रहती है। अब बड़ा सवाल यह है कि जब इस निर्माण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सुगम जल सुविधा देना था, तो आखिर ऐसा डिजाइन किसने स्वीकृत किया। क्या निर्माण से पहले तकनीकी निरीक्षण हुआ था। क्या किसी इंजीनियर या तकनीकी कर्मचारी ने स्थल पर जाकर उपयोगिता देखी थी। या फिर सिर्फ कागजों में स्वीकृति देकर निर्माण पूरा मान लिया गया। स्थिति और भी गंभीर इसलिए हो जाती है क्योंकि चबूतरे के आसपास मिट्टी कटाव और किनारों के कमजोर होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। निर्माण के कुछ ही समय बाद यदि ऐसी स्थिति बन रही है तो बरसात में इसके और अधिक क्षतिग्रस्त होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इससे निर्माण गुणवत्ता पर सीधा सवाल खड़ा होता है।

ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि कार्य का चयन सार्वजनिक आवश्यकता से अधिक व्यक्तिगत सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया हो सकता है, क्योंकि हैंडपंप किसी व्यक्ति विशेष के घर के पास स्थापित किया गया है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि क्या इस कार्य के लिए ग्रामसभा की पारदर्शी स्वीकृति ली गई थी या नहीं। 15वें वित्त आयोग की राशि का उद्देश्य गांवों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है, ताकि जनता को सीधा लाभ मिल सके। लेकिन यदि लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी ग्रामीण सुविधा के बजाय असुविधा झेलने को मजबूर हों, तो यह विकास कार्य नहीं बल्कि व्यवस्था पर सवाल है। अब मांग उठ रही है कि जनपद पंचायत बोड़ला, तकनीकी विभाग और जिला प्रशासन इस कार्य की निष्पक्ष जांच कराए। यह स्पष्ट होना चाहिए कि चबूतरे की इतनी अधिक ऊंचाई और मोटाई किस मानक के आधार पर बनाई गई। यदि जांच में निर्माण में लापरवाही, तकनीकी अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है, तो जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल अब यही है कि जनता की सुविधा के नाम पर खर्च हुई राशि का वास्तविक लाभ आखिर किसे मिला।

## मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजनों को किया गया जागरुक

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के आदेशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश सरोजनंद दास जी के मार्गदर्शन में स्वर्णलता ओम यादव, सचिव / जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में शा. हाई स्कुल लोलेसरा, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कुल सिंघौरी, शा. पूर्व माध्य. विद्यालय कोबिया, ग्राम पंचायत, कुसमी, बहेरा, पीपरभट्ठा, अमोरा एवं तालुका साजा में ग्राम पंचायत माटरा में मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। सचिव स्वर्णलता ओम यादव के द्वारा विद्यार्थियों को नशे की लत के दुष्परिणाम, उसके शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज के विकास में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। शिविर में उपस्थित विद्यार्थियो एवं आमजनों को मादक पदार्थों के अवैध व्यापार की रोकथाम, नशा मुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नशा मुक्ति विषयक संदेश, संवाद एवं प्रेरक जानकारी साझा की गई। 26 जून को मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों द्वारा जिले में विभिन्न स्थानों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया जिससे समाज विशेषकर युवा वर्ग को नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित किया जा सके।

## मुश्ताक अहमद अंसारी शिक्षा प्रभारी नियुक्त

दल्लीराजहरा। खदान मजदूर संघ भिलाई संबंद्ध भारतीय मजदूर संघ के सचिव लखनलाल चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारतीय मजदूर संघ का कार्य शिक्षा के क्षेत्र में पूरे देश में विस्तार करने की योजना बनाया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ में भी शिक्षा के क्षेत्र में एवं शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं एवं सुविधाओं को लेकर कार्य विस्तार की योजना पर कार्य किया जाना है। यह बड़े हर्ष का विषय है कि शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य करने वाले और शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करने वाले और संघ के वरिष्ठ नेता मुश्ताक अहमद अंसारी को भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय शिक्षा प्रभारी राधेश्याम जायसवाल द्वारा छत्तीसगढ़ का शिक्षा प्रभारी नियुक्त किया है। इसके लिए संघ परिवार राष्ट्रीय प्रभारी राधेश्याम जायसवाल का आभार व्यक्त करता हैं और पूरा विश्वास दिलाता है कि संघ के वरिष्ठ नेता मुश्ताक अहमद द्वारा संघ के रीति नीति का पालन करते हुए प्रदेश शिक्षा प्राभारी के दायित्व को पूरी जिम्मेदारी से निभायेंगे। लखनलाल चौधरी ने आगे बताया कि बालोद जिले और राजहरा नगर के लिए बड़े हर्ष का विषय है। मुश्ताक अहमद को प्रदेश शिक्षा प्रभारी बनाए जाने पर संघ की ओर से एम पी सिंग, संतोष देवांगन,महेन्द्र साहू, संजय यादव, रजनीश जरयाल, शेखर निर्मलकर, लिखन साहू, पी नायक, उल्लास देवांगन, मुरली साहू,मिलींद तामड़े, बीआर साहू,प्रवीन साहू,पोराणीक आदि ने बधाई दिया ।

## पुष्पा अस्पताल ने किया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दल्लीराजहरा। हॉलिस्टिक पालियेटिव केयर सेंटर पुष्पा अस्पताल प्रबंधन द्वारा वार्ड क्रमांक 2 गणेश चौक में वार्ड पार्षद पूनम सोमेश जायसवाल के अनुरोध पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवाई वितरण का शिविर लगाया गया। पुरुष ,महिला एवं बच्चों का शिविर स्थल पर नि:शुल्क जांच किया गया साथ ही उन्हें आवश्यकता अनुसार दवाई का वितरण भी अस्पताल प्रबंधन की ओर से नि:शुल्क किया गया साथ ही उन्हें बीमारियों से बचने के संबंध में जानकारी भी दी गई। पुष्पा अस्पताल की ओर से आए शिविर नेतृत्वकर्ता की संवेदनशीलता भी सामने आई जहां एक मरीज जो चल फिर नहीं सकता था उनका इलाज उन्होंने उनके घर पर जाकर किया है। डॉ एसली, डॉक्टर मोहित प्रमोद, सिस्टर पीवीशा, सिस्टर सीना,सिस्टर किरण, सिस्टर नेहा, ईश्वरी एवं दिव्यांशु का सहयोग रहा । डॉक्टर अंजलि ने बताया कि विभिन्न वार्डों में प्रत्येक माह के किसी भी एक दिन नि:शुल्क स्वास्थ्य सिविल लगाया जाएगा साथ ही उन्होंने बताया कि प्रत्येक शुक्रवार को पुष्पा अस्पताल में आयुष्मान कार्ड से नेत्र शिविर में जाँच होती है तथा मोतियाबिंद जैसे रोग का नि:शुल्क ऑपरेशन पुष्पा अस्पताल के द्वारा किया जाता है । वार्ड पार्षद पूनम सोमेश जायसवाल ने वार्ड में आकर अस्पताल प्रबंधन की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाने के साथ-साथ दवाई भी फ्री में देने के लिए धन्यवाद दिया..! भाजपा नेता सोमेश जायसवाल ने कहा कि इस वार्ड को पूरे शहर में बेहतरीन वार्ड बनाने की दिशा में हमारा प्रयास है।सरकार की योजनाएं हो या संस्था की ओर से लागू की गई योजनाएं पूरी तरह से वार्ड वासियों तक पहुंचाने का मेरा प्रयास रहेगा । हमारे वार्ड क्रमांक 2 में अधिकतर गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले तथा श्रमिक वर्ग के लोग रहते हैं।

# दाढी स्कूल में प्रवेश उत्सव में जनप्रतिनिधियों ने वाटर फिल्टर दिया

बेमेतरा। प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में नगर पंचायत दाढ़ी जनप्रतिनिधियों ने वाटर फिल्टर दिया गया नए शिक्षा सत्र प्रारंभ में नव प्रवेश बच्चों के दाखिला पर शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी में बढ़े हर्षोल्लास के साथ प्रवेश उत्सव कार्यक्रम मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि भारती सूरज साहू नगर पंचायत अध्यक्ष दाढ़ी उपाध्यक्ष पंच राम धुर्वे महेन्द्र जायसवाल पार्षद सभापति लुकेश्वरी जायसवाल पार्षद सभापति ममता यादव पार्षद सभापति कामनी यादव पार्षद सभापति गणेश यादव शिबू जायसवाल शामिल हुए कार्यक्रम में सर्व प्रथम मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना किया गया फिर सभी अतिथि का स्वागत गुलाल एवं पुष्प गुच्छ से किया गया नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत नगर पंचायत दाढ़ी अध्यक्ष उपाध्यक्ष पार्षद सभापति के द्वारा किया गया सभी ने नव प्रवेशी बच्चों को मिठाई खिलाकर पुस्तक कापी पेन वितरण किया गया शाला के सभी बच्चों को मिठाई खिलाकर पुस्तक वितरण किया गया कार्यक्रम में हमारे मुख्य अतिथि भारती सूरज साहू जी ने सभी बच्चों को खूब पढ़ने लिखने एवं मेहनत कर के आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया एवं शुभकामनाएं दी गई नगर पंचायत अध्यक्ष दाढ़ी एवं पार्षद गण द्वारा शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी को वाटर फिल्टर प्रदान किया गया।

# मनरेगा कर्मचारियों का 2 जुलाई से कबीरधाम समेत पूरे प्रदेश में महाहड़ताल

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में मनरेगा कर्मचारियों का वर्षों पुराना असंतोष अब विस्फोटक रूप लेता दिख रहा है। सेवा सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और समान वेतनमान जैसी बुनियादी मांगों पर लगातार उपेक्षा से नाराज कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल दिया है। साफ चेतावनी दी गई है कि यदि 1 जुलाई 2026 तक मानव संसाधन नीति (एचआर पॉलिसी) लागू नहीं की गई, तो 2 जुलाई से कबीरधाम सहित पूरे प्रदेश में चरणबद्ध हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। रविवार को आयोजित छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ की प्रदेश स्तरीय वर्चुअल बैठक (ऑनलाइन बैठक) में यह बड़ा निर्णय लिया गया। बैठक में प्रांतीय टीम, संभागीय अध्यक्ष, जिला एवं ब्लॉक अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, पदाधिकारी तथा सक्रिय सदस्यों ने भाग लेकर सरकार की कार्यशैली पर तीखी नाराजगी जताई। केंद्र सरकार 1 जुलाई 2026 से विकसित भारत जी राम जी योजना लागू करने की तैयारी में है, लेकिन इसी बीच बड़ा सवाल उठ रहा है कि नई योजना लागू करने से पहले पुराने कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित क्यों नहीं किया गया? जिन कर्मचारियों ने दो दशकों तक गांव-गांव में रोजगार गारंटी योजना को जमीन पर उतारा, आज वही अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने मजबूर हैं। कबीरधाम जिले के कर्मचारियों का कहना है कि वे करीब 20 वर्षों से ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की रीढ़ बने हुए हैं। मजदूरों का पंजीयन, कार्य स्वीकृति, मस्टर रोल संधारण, भुगतान प्रक्रिया और जमीनी क्रियान्वयन का पूरा बोझ इन्हीं के कंधों पर रहा है।

इसके बावजूद आज तक इनके लिए स्थायी सेवा सुरक्षा नीति नहीं बन सकी। सबसे अधिक सवाल उस मानव संसाधन नीति समिति पर उठ रहे हैं, जिसे करीब दो वर्ष पहले बड़े जोर-शोर से गठित किया गया था। तब दावा किया गया था कि समिति 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी, लेकिन ढाई वर्ष गुजर जाने के बाद भी रिपोर्ट फाइलों से बाहर नहीं आई। कर्मचारी अब इसे केवल आंदोलन को ठंडा करने का सरकारी हथकंडा बता रहे हैं। महासंघ की प्रमुख मांगों में शामिल हैं– 62 वर्ष की आयु अथवा योजना अवधि तक सेवा सुरक्षा, निलंबन संबंधी स्पष्ट नियम, अनुकंपा नियुक्ति स्थानांतरण नीति, सेवा पुस्तिका संधारण, प्रतिवर्ष वेतन वृद्धि, चिकित्सा सुविधा, सामाजिक सुरक्षा गारंटी। महासंघ अध्यक्ष अजय क्षत्री ने कहा कि मनरेगा कर्मियों ने वर्षों तक योजना को सफल बनाया, लेकिन सरकार ने बदले में केवल आश्वासन दिया। सेवा और परिवार के भविष्य की सुरक्षा के बिना नई योजना का बोझ उठाना कर्मचारियों के साथ अन्याय होगा। कबीरधाम जिले में भी आंदोलन की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। 22 जून से मंत्रियों, विधायकों और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने का अभियान शुरू होगा। इसके बाद आंदोलन का कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा–2 जुलाई 2026 – जनपद स्तर पर हड़ताल और रैली3 जुलाई 2026 – जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन 4 जुलाई 2026 – राज्य स्तरीय महाआंदोलन । कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार केवल आश्वासन से बात नहीं बनेगी। यदि सरकार ने फिर से फाइलों में मामला दबाने की कोशिश की, तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

## भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री की मन बात

बेमेतरा। शक्ति केंद्र 4 कोबिया वार्ड नंबर 9 बूथ क्रमांक 38 में भाजपा कार्यकर्ताओ ने सुनी पीएम मोदी की मन की बात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का रविवार को प्रसारित हुआ भाजपा कार्यकर्ताओ ने पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनाद्य जिसमें सभी से आग्रह किया की अपनी मां के नाम अवश्य एक पेड़ लगाए, जल जीवन,प्रकृति पर्यावरण की, विकसित भारत की,समृद्ध संस्कृति की, गौरवशाली इतिहास की, भारत के प्रयास की ,सहित विभिन्न विषयों को ध्यान से सुना इस दौरान कमलेश वर्मा भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी शहर मंडल बेमेतरा,, भाजपा नेता गोलू कोसले, वरिष्ठ भाजपा नेता देवनाथ पाल,अजीज कुरैशी, सुखने वर्मा, उमेश यादव, निलेश वर्मा, प्रीतम वर्मा, कोमल पाल,व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com